केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :46 अंक 160 शुक्रवार 3 जनवरी 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

विवाहिता को घुमाने का मामलाः पति की शिकायत पर सिपाही लाइन हाजिर

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। शादीशुदा महिला को घुमाने व मारपीट के आरोपी सिपाही गिरजाशंकर वर्मा को लाइन हाजिर कर दिया गया है। आरोप है कि लालगंज थानाक्षेत्र की रहने वाली एक शादीशुदा महिला को घुमाने ले गया था। इसकी जानकारी होते ही पति रास्ते में रुककर दोनों के लौटने का इंतजार करने लगा। थोड़ी देर बाद कार से सिपाही संग पत्नी को देखकर उसने पूछताछ की। बात बढ़ी और मारपीट तक जा पहुंची। सीओ रुधौली स्वर्णिमा सिंह ने बताया कि सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया गया है। दोनों पक्षों से एक–दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इसकी जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी। एसपी को दिए गए शिकायती–पत्र में महिला के पति ने आरोप लगाया है कि पूर्व में लालगंज थाने के रखौना व वर्तमान में पुलिस लाइन में तैनात आरोपी सिपाही से उसकी पत्नी रोज घंटों फोन पर बात करती है। मना करने पर सिपाही जेल भेजवाने की धमकी देता है। नए साल की पूर्व संध्या पर उसकी गैर हाजिरी में सिपाही उसकी पत्नी को घुमाने लेकर गया था। इसकी भनक लगने पर गांव के मुख्य रास्ते मेहनौना घाट मंदिर के पास इंतजार करने लगा। रात करीब नौ बजे कार से दोनों पहुंचे तो पूछताछ करने लगा। इस बात पर सिपाही भड़क गया और मारपीट करने लगा था।

इसकी सूचना डायल 112 व थानाध्यक्ष लालगंज को दिया। थानाध्यक्ष लालगंज ने आसपास के लोगों से घटनाक्रम के बारे में पूछताछ की थी। इस दौरान सिपाही संग गई विवाहिता ने पति पर किसी अन्य महिला के साथ अवैध संबंध का आरोप लगाया है। इसको लेकर दोनों के बीच करीब छह महीने से दूरी बनी हुई है। इस बाबत सीओ रुधौली का कहना है कि सिपाही को लाइन हाजिर कर दोनों पक्षों की तहरीर की जांच की जा रही है। वहीं दोनों पक्ष ने डीआईजी से मिलकर भी प्रकरण की शिकायत की है।

सावित्री बाई फूले जयंती पर आयोजन 3 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बहादुरपुर, (बस्ती)। विकास क्षेत्र बहादुरपुर के ब्लाक मुख्यालय के बगल स्थित संत रविदास मंदिर परिसर में दलित उत्थान समिति द्वारा भारत की प्रथम शिक्षिका रही सावित्री बाई फूले की जयंती पर शुक्रवार को समारोह का आयोजन किया गया है। आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में स्थानीय लोग भाग लेंगे।

यह जानकारी देते हुए दलित उत्थान समिति के सदस्य राजेन्द्र प्रसाद ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी बहुजन महानायिका सावित्री बाई फूले की जयंती पर कार्यक्रम का आयोजन शुक्रवार को दिन में 11 बजे से किया गया है। जिसे लेकर तैयारी पूरी कर ली गई है। आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक कार्यक्रम के लिए अम्बेडकर नगर की मिशन गायिका मालती राव उक्त कार्यक्रम में शामिल होंगी। क्षेत्र के लोगों से अपील किया कि बड़ी संख्या में लोग कार्यक्रम में पहुंचे और कार्यक्रम को ऐतिहासिक बुनाएं।

सैनिक बंधु की बैठक 3 को

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता की अध्यक्षता में सैनिक बन्धु की बैठक 3 जनवरी पूर्वान्ह 11.15 बजे से कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया जायेंगा। उक्त जानकारी देते हुए जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी कर्नल देविन्दर गुहानी ने बताया कि समस्त सैनिकों/दिवंगत सैनिक पत्नियों एवं आश्रितों से संबंधित भूमि विवाद, पुलिस सुरक्षा, बैंक से ऋृण, पेंशन, शिक्षा, चिकित्सा, आर्थिक अनुदान संबंधी समस्या तथा सैनिको से प्राप्त अन्य प्रकार की शिकायतों का निराकरण किया जायेंगा।

अवैध निर्माणों पर सुप्रीम कोर्ट की कड़ी नजर अब घर गिरवी रख ऋृण लेना हुआ मुश्किल

नई दिल्ली (आभा)। सुप्रीम कोर्ट ने अवैध निर्माणों पर सख्ती दिखाते हुए नए आदेश जारी किए हैं, जिनसे देशभर में अवैध इमारतों और उनके संचालन पर प्रभाव पड़ेगा। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि किसी भी इमारत को गिरवी रखकर बैंक और वित्तीय संस्थान लोन तभी स्वीकृत करेंगे, जब उस इमारत के लिए पूरा या उपयोग प्रमाण पत्र मौजूद हो। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि बिजली, पानी और सीवर जैसी मूलभूत सुविधाएं देने से पहले सेवा प्रदाता कंपनियां यह सुनिश्चित करें कि इमारत के पास प्रमाण पत्र हो। बिना वैध प्रमाण पत्र के किसी भी इमारत को व्यवसाय या व्यापार के लिए लाइसेंस नहीं दिया जाएगा, चाहे वह आवासीय हो या कमर्शियल।

अब बिल्डरों को एक लिखित आश्वासन देना होगा कि इमारत का कब्जा केवल तभी खरीदारों को सौंपा जाएगा, जब संबंधित प्राधिकरण से पूरा या उपयोग प्रमाण पत्र प्राप्त हो। कोर्ट ने यह भी कहा कि अवैध निर्माण न केवल रहने वालों की जान को खतरे में डालते हैं, बल्कि संसाधनों जैसे बिजली, भूजल और सड़क तक पहुंच को भी प्रभावित करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि अवैध रूप से प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। ऐसे अधिकारी, जो अपनी जिम्मेदारी निभाने में चूक करते हैं, उन्हें कानूनी प्रक्रिया का सामना करना होगा। कोर्ट ने 2014 में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा मेरठ में अवैध निर्माण को ध्वस्त करने के आदेश को बरकरार रखा। कोर्ट ने कहा कि अवैध निर्माण पर रोक लगाने के लिए कठोर कदम उठाने की जरूरत है और किसी भी प्रकार की नरमी दिखाना गलत होगा।

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिना मंजूरी या स्वीकृत योजना के किए गए निर्माण को बढ़ावा नहीं दिया जा सकता। हर निर्माण को सख्ती से नियमों का पालन करना होगा। यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के उस फैसले के एक महीने बाद आया है, जिसमें 'बुलडोजर न्याय' को असंवैधानिक घोषित किया गया था और प्रशासन को किसी भी अवैध निर्माण को सिर्फ अपराध के आरोप में ध्वस्त करने से रोक दिया गया था।

अश्लील हरकत मामले में मुकदमा दर्ज

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। नगर पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर सात लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसी थानाक्षेत्र की रहने वाली महिला ने तहरीर देकर बताया है कि गत 13 सितंबर को उनकी तीन नाबालिग बेटियों शौच के लिए खेत के पास गई थीं। आरोप है कि उसी समय चुनावी रंजिश को लेकर विपक्षी वहां पहुंच गया और अश्लील हरकत की। करीब आधे घंटे बाद घर पर चढ़कर अपशब्द कहा। जानमाल की धमकी देते हुए मारापीटा। बेटियों के साथ छेड़खानी करते हुए धमकाया। पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर राकेश, शशि, राहुल, राम निहोर, पवन, पंकज व बृजेश के खिलाफ केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

विद्यालय के निर्माण में घटिया ईट के प्रयोग पर भड़के डीएम, दिया चेतावनी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । जिलाधिकारी रवीश गुप्ता ने मड़वानगर स्थित पेयजल टंकी तथा निर्माणाधीन कस्तूरबा बालिका विद्यालय एवं बी पैक्स बागडीह एट महसिन पीसीएफ क्रय केन्द्र साऊघाट का निरीक्षण किया। पेयजल टंकी के निरीक्षण में उन्होने पाया कि नींव का कार्य चल रहा है तथा स्थल पर गड्ढे के चारों ओर बल्ली और टेप का फेंस है। इस स्थिति पर सुरक्षा के दृष्टिगत उन्होने संबंधित को निर्देशित किया कि टेप के स्थान पर जाली लगायें तथा खुले छोर पर आवागमन के दृष्टिगत मोबाइल बैरियर लगायें, ताकि कोई गलती से गड्ढे में ना गिरे।

कार्यदायी संस्था के संबंधित अधिकारी ने बताया कि पेयजल परियोजना जनपद की सबसे बड़ी परियोजना है, इसकी टंकी 650 किलोलीटर की होगी। सितम्बर तक परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य है, परन्तु यथाशीघ्र अप्रैल तक ही कार्य पूर्ण हो जाने की संभावना है।

जिलाधिकारी ने कस्तूरबा विद्यालय साऊघाट में कार्य की प्रगति को देखा तथा निर्माण में प्रयोग हो रही ईंटों का स्वयं साउण्ड टेस्ट एवं ड्राप टेस्ट किया। उन्होने पाया कि ईंट की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं है। इस स्थिति पर उन्होने कार्यदायी संस्था को निर्देशित किया कि तत्काल ईंट बदलवाना सुनिश्चित करें। उन्होने ठेकेदार के प्रतिनिधि को सचेत किया कि यह एक आवासीय विद्यालय है, जिसमें 24 घण्टे बालिकाएँ रहेंगी। गुणवत्ता पर अनदेखी की पुनरावृत्ति हुई, तो कठोरतम कार्रवाई की जाएगी।

पीसीएफ क्रय केंद्र साऊघाट के निरीक्षण में उन्होने पाया कि धान क्रय केंद्र एवं उर्वरक विक्रय केंद्र दोनों है। धान क्रय में लक्ष्य का लगभग 80 प्रतिशत क्रय इस केंद्र के द्वारा कर लिया गया है। डिप्टी आरएमओ ने बताया कि जनपद स्तर पर लक्ष्य का 64 प्रतिशत क्रय हो गया है, एवं भुगतान 96 प्रतिशत कृषकों को हो चुका है। मिल को प्रेषण में अभी मार्केटिंग विभाग सबसे पीछे है, क्योंकि उनका लक्ष्य अन्य संस्थाओं से अधिक है। यथाशीघ्र इस कमी को पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

नहीं हुये सूर्यदेव के दर्शनःठंड से कांपे लोग

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती। पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी के बीच बढ़ी गलन से लोग कांप रहे हैं। गुरुवार को जिले का मौसम का मिजाज बदला–बदला सा दिखा। सुबह से ही ठंड हवाएं और गलन से लोग बेहाल दिखे। ठंड से बचाव के लिए उपाय ढूंढते दिखे। शहर से लेकर गांव तक बढ़ी ठंड का असर दिखा। आसमान में बादल होने से सुबह सूर्यदेव लोगों को दर्शन नहीं दिए। बादल की ओट में रहे सूर्य निकलने की कोशिश किए, लेकिन घने बादल रोक दिए। धूप नहीं होने से लोग ठंड से ठिठुरते दिखे। शहर के कई हिस्सों में लोग लकड़ी न मिलने से गत्ता और पन्नी–कागज आदि जलाकर ठंड से बचते दिखे। तमाम जगहों पर अलाव बुझे दिखे, इससे लोगों को परेशान होना पड़ा। गलन वाली ठंड के कारण तमाम लोग घरों से बाहर नहीं निकले। घर में ही दुबके रहे। हीटर और कंबल के सहारे गलन से बचते दिखे।

मुख्तार अंसारी की मौत से जुड़ी रिपोर्ट बेटे को देने का आदेश

नई दिल्ली (आभा)। माफिया मुख्तार अंसारी की मौत से जुड़ी रिपोर्ट को उसके बेटे को देने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने यूपी सरकार को दिया है। कोर्ट ने चिकित्सा और मजिस्ट्रेट दोनों जांच रिपोर्ट 28 मार्च 2024 तक मुख्तार अंसारी के बेटे को उपलब्ध कराने को कहा है। न्यायमूर्ति हृषिकेश रॉय और न्यायमूर्ति एस वी एन भट्टी की पीठ ने उमर अंसारी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलों पर गौर करने के बाद दिया।उमर ने अदालत से कहा कि उसके पिता की मौत से संबंधित चिकित्सा और न्यायिक जांच रिपोर्ट राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत नहीं की गई।

केक काटकर मनाया गया सांसद जगदम्बिका पाल का जन्म दिन

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बनकटी (बस्ती)। विकास खण्ड बनकटी क्षेत्र के भरवालिया गांव के निकट संचालित सूर्य बक्स पाल स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कालेज के प्रबंधक और डुमरियागंज के सांसद जगदंबिका पाल के जन्म दिन के अवसर पर गुरुवार को सुबह 10 बजे से विद्यालय परिवार के लोगों द्वारा विद्यालय परिसर में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कराया गया और केक काट कर सांसद का जन्म दिन मनाया गया।

विद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद डुमरियागंज के पहुंचते ही पहले विद्यालय प्रधानाचार्य डाक्टर अजीत सिंह सहित क्षेत्रीय भाजपा कार्यकर्ताओं और स्थानीय लोगों ने फूल माला पहना कर उनका स्वागत किया।तथा भाजपा नेता और बनकटी नगर पंचायत के अध्यक्ष प्रतिनिधि इंजीनियर अरबिंद पाल ने कहा की मनुष्य का जीवन सार्थक तब होता है।जब वह अपने बौद्धिक और शारीरिक परिश्रम के द्वारा समाज और देश के लिए कुछ अच्छा करके दिखाता है।जिसका प्रत्यक्ष उदाहरण सांसद जी द्वारा बनकटी क्षेत्र में सबसे पहले संचालित किया बालिका इंटर कालेज और यह डिग्री कालेज है।जन्म दिन के ।अवसर पर उपस्थित लोगों द्वारा समाज हित में इनके द्वारा किए गए कार्यों की काफी प्रसंशा की गई।कार्यक्रम का संचालन योगेश शुक्ल ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कर्मादेवी संस्थान के चेयर मैन ओमनारायण सिंह, जयप्रकाश निषाद ,दिनेश पाल,उमेश श्रीवास्तव,प्रकाश पाल,गोपाल शुक्ल, अशोक पाल,अवधेश पाल,मुरलीधर शुक्ल,सुग्रीव पाल,राधेरमन पाल,रुद्रनारायण पाल,पिंटू पाल उर्फ बब्बू पाल,गुड्डुन पाल,गुंदे बाबा,पन्नेलाल यादव, शिवकुमार चौधरी,मोहम्मद सईद, मोहम्मद आरिफ उर्फ दरोगा,मौजूद रहे।

आयुर्वेदिक,यूनानी विभाग में मनमानी, भ्रष्टाचार का आरोप उच्चाधिकारियों से किया जांच, कार्यवाही की मांग

-अधिकारियों, कर्मचारियों से किया गया आडिट के नाम पर धन उगाही-राम नरेश तिवारी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

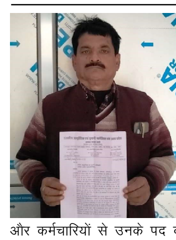

बस्ती। राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ अध्यक्ष राम नरेश तिवारी और मंत्री रामलाल तिवारी ने जिलाधिकारी, निदेशक आर्युवेद सेवायें, प्रमुख सचिव आयुष के साथ ही अनेक उच्चाधिकारियों को पत्र भेजकर कहा है कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव द्वारा नियम विरूद्ध ढंग से मनमानी की जा रही है। कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार, अनियमितता, मातहत कर्मचारियों को परेशान किये जाने, मानसिक एवं आर्थिक शोषण, गलत ढंग से धनादोहन किये जाने के कारण रोष व्याप्त है। मांग किया कि क्रियाकलापों में सुधार कराया जाय, अन्यथा की स्थिति में संघ आन्दोलन करने को बाध्य होगा।

विभागीय और उच्चाधिकारियों को भेजे पत्र में राजकीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी फार्मेसिस्ट संघ अध्यक्ष राम नरेश तिवारी और मंत्री रामलाल तिवारी ने कहा है कि जनपद में प्रत्येक चिकित्सालय से आडिट के नाम से चिकित्साधिकारी एवं प्रभारी फार्मेसिस्टों से पांच हजार रूपये की मांग की गई। इसकी वसूली चिकित्सालय में कार्यरत फार्मेसिस्ट और कर्मचारियों से उनके पद के अनुसार किया गया। आडिट कार्यालय का होता है, कर्मचारियों का नहीं। संघ के जिलाध्यक्ष ने जब मनमानी वसूली का विरोध किया तो उनको अवैध तरीके से हेल्थ वेलनेस सेन्टर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मुसहा से उनकी सम्बद्धता को समाप्त कर दिया गया। उनकी सम्बद्धता कैंसर की बीमारी के कारण उनके पारिवारिक परिस्थितियों पत्नी की बीमारी के कारण हेल्थ वेलनेस सेन्टर राजकीय आयुर्वेदिक चिकित्सालय मुसहा में नियमानुसार किया गया था। जिलाध्यक्ष की सम्बद्धता समाप्त करना विद्वेषपूर्ण कार्यवाही है।

पत्र में कहा गया है कि क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव द्वारा अनेक कर्मचारियों, अधिकारियों की तैनाती नियम विरूद्ध ढंग से धनादोहन करके किया गया है। डा. जगदीश यादव अपने चिकित्सालय पर कभी नहीं जाते। संघ पदाधिकारियों ने डा. जगदीश पर अनेक गंभीर आरोप लगाते हुये मामले की उच्च स्तरीय जांच और प्रभावी कार्यवाही की मांग किया है। इस सम्बन्ध में क्षेत्रीय आयुर्वेदिक एवं यूनानी अधिकारी बस्ती एवं संत कबीर नगर डा. जगदीश यादव का कहना है कि उन पर लगाये गये आरोप पूरी तरह से बेबुनियाद हैं। यदि संघ के किसी पदाधिकारी को कोई आपत्ति हो तो वे मिलकर अपनी समस्या रख सकते हैं। उसका समाधान कराया जायेगा।

कठिन दौर से गुजर रहे हैं शिक्षकः अधिकारों के लिये निर्णायक संघर्ष जरूरी– उदयशंकर शुक्ल

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

बस्ती । उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने गुरूवार को शिक्षक भवन पर पत्रकारों से वार्ता करते हुये कहा कि देश, प्रदेश का शिक्षक इतिहास के कठिन दौर से गुजर रहा है। उस पर जिम्मेदारियां पहले से अधिक बढी है किन्तु अधिकार लगातार छीने जा रहे हैं। यहां तक कि बुढापे की लाठी पेंशन का लाभ हासिल करने के लिये अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ द्वारा देश व्यापी आन्दोलन चलाया जा रहा है किन्तु केन्द्र और राज्य सरकारें पुरानी पेंशन नीति बहाली को तैयार नहीं हो रही है। लम्बे संघर्ष के बाद केन्द्र सरकार ने ओ.पी.एस. के स्थान पर यूपीएस पेंन्शन योजना लागू किया है। यह आंशिक सफलता है। जब तक पुरानी पेंशन नीति की बहाली नहीं होती हमें एकजुट होकर संघर्ष जारी रखना होगा। प्रेस वार्ता के बाद आयोजित बैठक में सर्व सम्मत से राजकुमार सिंह को जिला संयुक्त मंत्री का दायित्व सौंपा गया। निर्णय लिया गया कि शिक्षक समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर 13 जनवरी को बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर धरना दिया जायेगा।

संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि प्रधानाध्यापक उच्च

—शिक्षक समस्याओं के समाधान की मांग को लेकर धरना 13 को

प्राथमिक विद्यालय, प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय और सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालयों के रिक्त सभी पदों पर अध्यापकों की वरिष्ठता सूची जारी कराकर पदोन्नति की कार्यवाही कराया जायेगा। अध्यापकों के ई.एल. अवकाश को पोर्टल पर अपलोड करवाया जायेगा। किसी भी स्तर पर अध्यापकों का शोषण नहीं होने पायेगा।

पत्रकारों के प्रश्नों का उत्तर देते हुये संघ अध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि परिषदीय विद्यालयों को सुविधाओं से सम्पन्न किया जाय जिससे वे निजी विद्यालयों से बेहतर परिणाम दे सकें। सभी विद्यालयों में डेस्क, बेंच, बालक, बालिका एवं दिव्यांग शौचालय, कक्षा कक्ष के टाईलीकरण, विद्युत संयोजन की व्यवस्था हो। इस सम्बन्ध में संघ की ओर से शीघ्र ही शासन को ज्ञापन भेजा जायेगा कि जो विद्यालय सुविधाओं से वंचित है उन्हें संसाधनों से लैश किया जाय।

श्री शुक्ल ने बताया कि अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षा मित्र और अनुदेशकों को नियमित करने की मांग को लेकर संघर्ष कर रहा है। कहा कि 2025 शिक्षकों के लिये निर्णायक साबित होगा। सांगठनिक ढांचे को मजबूत बनाने के लिये अभियान तेज किया जायेगा। जनवरी माह में सभी विकास क्षेत्रों पर क्षेत्रीय संगठनों के पदाधिकारियों की बैठक कर सदस्यता अभियान चलाया जायेगा। कहा कि जनपद के अनेक अध्यापकों के निलम्बन, वेतन रोकने आदि की कार्यवाही को लेकर शिक्षकों में रोष है। इसे लेकर संघ प्रभावी संघर्ष करेगा। कहा कि कथित फर्जी यू ट्यूबर और पत्रकार बनकर आये दिन कुछ लोग विद्यालयों में पहुंच जाते हैं और अध्यापकों को प्रताड़ित करते हैं। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी से वार्ता कर समस्या का समाधान कराया जायेगा।

प्रेस वार्ता में संरक्षक अरूणदेव शुक्ल, राम बहोर मिश्र, कार्यवाहक जिलाध्यक्ष अखिलेश मिश्र, जिला मंत्री राघवेन्द्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, राजकुमार सिंह, सतीश शंकर शुक्ल, इन्द्रसेन मिश्र, सन्तोष कुमार शुक्ल, रीता शुक्ला, शशिकान्त धर दूबे, देवेन्द्र वर्मा, दिवाकर सिंह, आनन्द दूबे, अभिषेक उपाध्याय, विनोद यादव, पटेश्वरी प्रसाद निषाद, आनन्द सिंह, ओंकारनाथ उपाध्याय, हरीश चौधरी, सुनील पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, शोभाराम वर्मा, दिनेश वर्मा, राजीव पाण्डेय, लालेन्द्र कन्नौजिया, आशुतोष पाण्डेय, वैभव प्रसाद के साथ ही अनेक पदाधिकारी, शिक्षक उपस्थित रहे।

देश के लिए सुयोग्य नागरिक बनाता है स्काउट गाइड–उमाकान्त त्रिपाठी

—भारतीय बस्ती संवाददाता—

—तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर सम्पन्न

बस्ती। हरैया कस्बे के गजाधर सिंह अंगद सिंह एकेडमी में चल रहे तीन दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का गुरुवार को समापन हुआ। समापन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बार एसोसिएशन तहसील हरैया के अध्यक्ष उमाकांत त्रिपाठी और विशिष्ट अतिथि प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष रवीश कुमार मिश्र का विद्यालय के प्रधानाचार्य सुभाष चंद्र त्रिपाठी की अगुवाई में माल्यार्पण, अंग वस्त्र और स्मृति चिन्ह के द्वारा स्वागत किया गया।

मुख्य अतिथि ने कहा कि स्काउट हमें दूसरों के लिए जीने की कला सिखाता है। देश के लिए सुयोग्य नागरिक बनाता है। हम आपातकाल में कैसे रहें, सीमित संसाधनों में कैसे अपने लिए भोजन पानी की व्यवस्था करें आदि की सीख मिलती है। विशिष्ट अतिथि ने कहा कि स्काउट एवं गाइड को निस्वार्थ भाव से समाज व राष्ट्र की सेवा का कार्य करना चाहिए। आपदा और संकटग्रस्त लोगों की सहायता करने से आत्मिक संतुष्टि मिलती है। विद्यालय के प्रधानाचार्य ने कहा कि स्काउट गाइड शिविर में छात्र छात्राओं ने जो ज्ञान व प्रशिक्षण लिया है वो निश्चित ही जीवन में उनके काम आएगा। जिला संगठन कमिश्नर स्काउट प्रताप शंकर पाण्डेय, जिला संगठन कमिश्नर गाइड संगीता प्रजापति, विजय कश्यप, आदर्श मिश्र, दीपक प्रजापति देखरेख में बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की प्रस्तुतीकरण किया गया। छात्र–छात्राओं को अलग–अलग टोलियों में बांटा गया। सभी टोलियों द्वारा तंबू निर्माण करने और उसे सुसज्जित करने के साथ–साथ विभिन्न प्रकार की गांठे लगाने का प्रदर्शन भी किया गया। अतिथियों ने बच्चों द्वारा बिना बर्तन के बनाए गए भोजन, रंगोली और साज सज्जा की प्रशंसा की। शिविर समापन पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टोली और प्रशिक्षण में लगे स्टाफ को पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर विद्यालय के स्काउट मास्टर दिनेश पाण्डेय, गाइड कैप्टन अंजू श्रीवास्तव, पंकज सिंह, प्रवेश शुक्ल, संतोष श्रीवास्तव, पवन मिश्र, सुधीर, अलगू, दिनेश मिश्र, रामनरेश शर्मा, सत्येंद्र सिंह, संध्या तिवारी, पूनम सिंह, सपना सिंह, अमरनाथ केशरवानी, दीपक यादव, प्रद्युम्न उपाध्याय, कैलाश तिवारी, शिवराम पटेल, अमित मिश्र, कल्पना मिश्रा, अनीता सिंह, वंदना विश्वकर्मा, सत्य नारायण, खुशी, मुस्कान, राकेश यादव, अंजली, पूनम सिंह, निधि, कामना, कमलेश, सिमरन, पद्मा, वर्तिका, मधु, सोनी, सुनील, धनवंत, संयोगिता आदि उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 3 जनवरी 2025 शुक्रवार

सम्पादकीय

2025 की राजनीतिक चुनौतियां

नए साल का आगाज हो गया है. राजनीति के मोर्चे पर साल 2025 में काफी गहमा–गहमी रहने वाली है. नए साल की शुरुआत दिल्ली विधानसभा के चुनाव से होगी. इसी साल बिहार का विधानसभा चुनाव भी होना है. इन दो राज्यों के विधानसभा चुनाव के अलावा इस साल एक लोकसभा और छह विधानसभा सीटों पर उपचुनाव भी कराया जा सकता है. जिन विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होना है, उनमें उत्तर प्रदेश की मिल्कीपुर सीट भी शामिल है. इस सीट पर उपचुनाव वहां से समाजवादी पार्टी के विधायक अवधेश प्रसाद के अयोध्या (फैजाबाद) का सांसद चुने जाने की वजह से कराया जाएगा.।

वर्ष 2024 इतिहास में देश के लिए राजनीतिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण वर्षों में से एक के रूप में दर्ज होगा और सभी राजनीतिक नेताओं को वर्ष 2025 में आने वाले चुनावों की तैयारी के लिए सबक सीखने की आवश्यकता है। लगातार तीसरी बार मोदी सरकार की वापसी निःसंदेह वर्ष की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक घटना थी। भारतीय जनता पार्टी, जो 'अब की बार 400 पार' के नारे के साथ चुनाव प्रचार में उतरी थी, को 240 सीटों पर संतोष करना पड़ा, जिससे उसे सरकार बनाने के लिए अपने सहयोगियों पर निर्भर होना पड़ा।

99 सीटों के साथ भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने अपनी संख्या में सुधार किया, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन बहुमत हासिल करने के अपने लक्ष्य से बहुत पीछे रह गया। विडंबना यह है कि विजेता परिणाम से बहुत खुश नहीं था, जबकि प्रतिद्वंद्वी इस बात से खुश थे कि भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को भारी बहुमत से वंचित किया गया था, जो 'संविधान में संशोधन' कर सकता था। भाजपा ने अहंकार और विभाजनकारी राजनीति में लिप्त होने की कीमत चुकाई। इसके नेताओं ने यहां तक कहा कि पार्टी को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के समर्थन की आवश्यकता नहीं है और यह अपने दम पर चुनाव लडने और जीतने में सक्षम है। 'इंडिया' गठबंधन ने क्षेत्रीय दलों के कांग्रेस के साथ गठबंधन करने पर भी प्रभाव डाला, जिससे दो तिहाई बहुमत के साथ वापस आए एन.डी.ए. गठबंधन के संविधान में बड़े संशोधनों की आशंका पैदा हो गई।

भाजपा ने आत्मनिरीक्षण करने और लोकसभा चुनावों में अपने अभियान और प्रदर्शन से सबक लेने में देर नहीं लगाई। इसका असर हरियाणा में कांग्रेस की चौंकाने वाली हार में दिखाई दिया, जहां लगभग हर किसी ने मौजूदा भाजपा सरकार की हार का अनुमान लगाया था। पार्टी ने एक ऐसी रणनीति बनाई जिसने कांग्रेस को मात दी और हार को जीत में बदलने में सक्षम रही। लोकसभा चुनावों में तुलनात्मक रूप से खराब प्रदर्शन के बाद इस जीत ने पार्टी नेताओं और कार्यकर्त्ताओं का मनोबल बढ़ाया। महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों में जोरदार जीत के साथ पार्टी को और बढ़ावा मिला, जहां 'इंडिया' गठबंधन के सहयोगियों के लिए दाव ऊंचे थे।

लोकसभा चुनाव में मिली हार से वह उबर पाई और ऐसा लगा कि उसने सबक सीख लिया है। ऐसा लगता है कि कांग्रेस के साथ ऐसा नहीं है, जिसने लोकसभा में अपनी सीटें बढ़ाई थीं, लेकिन फिर वह आत्मसंतुष्ट हो गई। हरियाणा के उसके नेता जीत के प्रति इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने विधानसभा चुनाव के लिए कोई रणनीति नहीं बनाई। नेताओं के बीच खुली लड़ाई के अलावा, किसी ने बागी उम्मीदवारों से संपर्क करने के बारे में नहीं सोचा। कांग्रेस द्वारा आम आदमी पार्टी के साथ गठबंधन से इन्कार करने के बाद 'इंडिया' गठबंधन टूट गया। महाराष्ट्र में भी ऐसी ही गलतियां की गईं। नए साल में 2 प्रतिष्ठित चुनाव होने हैं। एक दिल्ली विधानसभा के लिए और दूसरा बिहार के लिए।

अगर 'इडिया' गठबंधन के सहयोगी पिछले साल से सबक नहीं सीखते हैं, तो वे इतिहास को दोहराने के लिए अभिशप्त हैं। यह लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लिए भी परीक्षा की घड़ी होगी, जिन्होंने लोकसभा के लिए प्रचार में कुछ जोश दिखाया था, लेकिन हरियाणा और महाराष्ट्र के विधानसभा चुनावों में पीछे हट गए। दूसरी ओर, नर्म पड़ चुकी मोदी सरकार को अपने सहयोगियों को साथ लेकर चलने की चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

जीवन कौशल पर आधारित हो शिक्षा

–प्रियंका सौरभ–

नो डिटेंशन पॉलिसी के तहत कक्षा 1 से 8 तक के किसी भी छात्र को फेल नहीं किया जा सकता था। हालांकि अब इन छात्रों को फेल किया जा सकेगा। साथ ही फेल छात्रों को 2 महीने के भीतर फिर से परीक्षा का अवसर मिलेगा। अगर इसमें भी फेल होते हैं तो उन्हें अगली कक्षा में प्रोन्नत नहीं किया जाएगा। शिक्षा के अधिकार अधिनियम की नो–डिटेंशन पॉलिसी के अनुसार, किसी भी छात्र को तब तक फेल या स्कूल से निकाला नहीं जा सकता, जब तक वह कक्षा 1 से 8 तक की प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं कर लेता। लेवल 8 तक के सभी विद्यार्थियों को स्वचालित रूप से अगली कक्षा में पदोन्नत कर दिया जाएगा। नीति का मुख्य बिंदु यह है कि कक्षा 8 तक, पारंपरिक अर्थों में कोई ष्परीक्षाष नहीं होती है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए, और अब समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं।

कक्षा 5 और 8 में छात्रों के लिए नो–डिटेंशन पॉलिसी को खघ्त्म करना भारत की शिक्षा प्रणाली में एक महत्त्वपूर्ण बदलाव है। शिक्षा के अधिकार अधिनियम के तहत शुरू की गई इस नीति का उद्देश्य छात्रों की असफलता को रोककर शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच सुनिश्चित करना था। हालाँकि, सीखने के परिणामों में गिरावट की चिंताओं के साथ, संशोधन अकादमिक सुधार पर जोर देकर पहुँच और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के बीच संतुलन बनाने का प्रयास करता है। नो–डिटेंशन पॉलिसी को खघ्त्म करने से यह सुनिश्चित होता है कि छात्र शिक्षा प्राप्त करना जारी रखें, भले ही वे अकादमिक रूप से संघर्ष करते हों, जिससे सार्वभौमिक पहुँच के सिद्धांत को बल मिलता है। जिन छात्रों को असफलता के कारण निष्कासित कर दिया जाता था, उन्हें अब परीक्षा फिर से देने और सुधारात्मक सहायता प्राप्त करने का अवसर मिलता है।

असफल छात्रों को रोककर, नीति सक्रिय भागीदारी और जवाबदेही को प्रोत्साहित करती है, जबकि अभी भी शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुँच को प्राथमिकता देती है। कक्षा 5 में असफल होने वाले छात्रों को अब अगली कक्षा में जाने से पहले सुधार करने का मौका मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि वे पीछे न छूट जाएँ। नीति में सुधारात्मक निर्देश के प्रावधान शामिल हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि कोई भी छात्र शैक्षणिक संघर्ष के कारण शिक्षा से वंचित न रहे, न्यायसंगत पहुँच को बढ़ावा दिया जाता है। उदाहरण के लिएरू कक्षा 5 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को विशेष सहायता और पुनः परीक्षा के अवसर मिलते हैं, जिससे उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने में मदद मिलती है। माता–पिता संघर्षरत छात्रों की पहचान करने और प्रगति की निगरानी करने में सक्रिय रूप से शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि सभी बच्चों को, चाहे उनका प्रदर्शन कैसा भी हो, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त हो।

माता–पिता शिक्षकों के साथ नियमित संचार के माध्यम से सीखने की प्रक्रिया में शामिल होते हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि शैक्षणिक विफलता के कारण कोई भी बच्चा अनदेखा न हो। नीति का उद्देश्य छात्रों को सफल होने के कई अवसर देकर उन्हें शिक्षा प्रणाली में बने रहने के लिए प्रोत्साहित करके उन्हें स्कूल छोड़ने से रोकना है। नीति परिवर्तन के बाद, कक्षा 8 में अनुत्तीर्ण होने वाले छात्रों को परीक्षा में बैठने का एक और मौका दिया जाता है, जिससे स्कूल छोड़ने की दर कम हो जाती है। नीति परिवर्तन स्कूलों को उन छात्रों की पहचान करने के लिए प्रेरित करता है जिन्हें अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है, सीखने के परिणामों को बेहतर बनाने के लिए अधिक अनुकूलित दृष्टिकोण पर जोर देता है। केंद्रीय विद्यालयों में, संघर्षरत छात्रों को अब सीखने के अंतराल को दूर करने के लिए अतिरिक्त कोचिंग प्रदान की जाती है, जिससे बेहतर शैक्षणिक प्रदर्शन सुनिश्चित होता है।

पुनः परीक्षा प्रणाली रटने के बजाय योग्यता–आधारित परीक्षणों पर ध्यान केंद्रित करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छात्रों के सीखने के परिणाम अधिक सार्थक और प्रभावशाली हों। सैनिक स्कूलों में, हाल ही में लागू की गई योग्यता–आधारित परीक्षाएँ व्यावहारिक ज्ञान का आकलन करती हैं, जिससे छात्र तथ्यों को याद करने के बजाय मूल अवधारणाओं को समझने में सक्षम होते हैं। नीति यह सुनिश्चित करके समग्र विकास को बढ़ावा देती है कि असफल छात्रों को शैक्षणिक और गैर–शैक्षणिक दोनों आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए व्यक्तिगत ध्यान मिले। दिल्ली सरकार के स्कूलों में, संघर्षरत छात्रों को समग्र विकास को बढ़ावा देने के लिए शैक्षणिक सुधार के साथ–साथ मनोवैज्ञानिक और भावनात्मक समर्थन भी मिलता है। शिक्षक अब सीखने के अंतराल की पहचान करने और उसे दूर करने के लिए जिम्मेदार हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे प्रत्येक छात्र की प्रगति में अधिक निवेश करें।

कक्षा शिक्षक अब प्रगति रिकॉर्ड बनाए रखते हैं और विषयों में संघर्ष करने वाले छात्रों की व्यक्तिगत रूप से निगरानी करते हैं, जिससे लक्षित हस्तक्षेप रणनीतियाँ बनती हैं। पास होने के लिए कई मौके देकर, नीति विफलता के कलंक को कम करती है, छात्रों को लगे रहने और सुधार करने के लिए प्रेरित करती है। जो छात्र पहले असफल हुए थे, वे कलंक के जोखिम में थे, लेकिन अब उन्हें दूसरा मौका दिया गया है, जिससे ड्रॉपआउट दर कम हुई है और दृढ़ता की सुविधा मिली है। नो–डिटेंशन पॉलिसी को खघ्त्म करने से बेहतर सीखने के परिणामों के साथ सार्वभौमिक पहुँच का संतुलन बना रहता है। जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर जोर देकर, यह शिक्षण और मूल्यांकन में सुधार ला सकता है। हालाँकि, इस बदलाव को सफल बनाने के लिए शिक्षकों के बेहतर प्रशिक्षण, सुधारात्मक सहायता और छात्रों के आधारभूत कौशल को मजबूत करने के लिए बेहतर बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है।

देश में शिक्षा की निम्न गुणवत्ता के मूल कारणों को संबोधित करने के बजाय, पूरा ध्यान पासध्फेल प्रणाली को फिर से लागू करने पर है। समय की मांग है कि सभी पक्षों को अधिक गंभीरता से काम करना चाहिए, और अब समय आ गया है कि शेष मुद्दों को संबोधित करने के लिए प्रयास किए जाएं। परिणामस्वरूप, नीति में नकारात्मक प्रभावों को कम करने के लिए उपयुक्त समायोजन के साथ संशोधन किया जाना चाहिए, या इसे एक नए, अधिक संतुलित दृष्टिकोण से प्रतिस्थापित किया जाना चाहिए। मुख्य लक्ष्य बच्चों के समग्र विकास को प्रोत्साहित करना और उन्हें जीवन कौशल प्रदान करना होना चाहिए।

साइबर ठगी का फैलता जाल

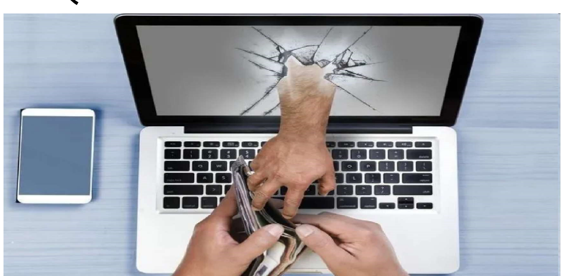

–श्रीगोपाल नारसन–

आपके व्हाट्सएप पर भेज डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही डाउनलोड करते हैं आपके मोबाइल का एक्सेस साइबर ठग के पास चला जाता है। जब आपके खाते से पैसे कटते हैं तो पता लगता है कि फ्रॉड हो गया। ऐसी हालत में यदि एपीके फाइल इंस्टॉल कर ली है तो मोबाइल डाटा को तुरंत बंद करें। अच्छा तो यही है कि एपीके फाइल डाउनलोड ही न करें। डाटा ऑफ करने के बाद तुरंत मोबाइल रिसेट कर दें। ताकि आपकी कोई जानकारी या बैंक डिटेल साइबर ठग को न मिल पाए।

आजकल के हाई प्रोफाइल ठग एपीके फाइल के माध्यम से ठगी को अंजाम दे रहे हैं। इस प्रक्रिया में ओटीपी शेयर करने की जरूरत नहीं पड़ती। इधर आपने एपीके फाइल को इंस्टॉल किया और उधर आपका अकाउंट खाली हो जाएगा। मध्यप्रदेश के रीवा में एक ऐसा ही मामला सामने आया है। जहां एक होमगार्ड की पत्नी के बैंक अकाउंट से 80 हजार रुपए ठगों ने निकाल लिए हैं। ठग सरकारी योजनाओं से जुड़ी हुई एपीके फाइल भेजकर उपभोक्ता को लाभ पाने का प्रलोभन देते हैं।

आपके व्हाट्सएप पर भेज डाउनलोड करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही डाउनलोड करते हैं आपके मोबाइल का एक्सेस साइबर ठग के पास चला जाता है। जब आपके खाते से पैसे कटते हैं तो पता लगता है कि फ्रॉड हो गया। ऐसी हालत में यदि एपीके फाइल इंस्टॉल कर ली है तो मोबाइल डाटा को तुरंत बंद करें। अच्छा तो यही है कि एपीके फाइल डाउनलोड ही न करें। डाटा ऑफ करने के बाद तुरंत मोबाइल रिसेट कर दें। ताकि आपकी कोई जानकारी या बैंक डिटेल साइबर ठग को न मिल पाए। वहीं इन दिनों डिजिटल अरेस्ट का भी एक तरीका सामने आया है। जिसमें पुलिस अधिकारी या सीबीआई अफसर बनकर लोगों को डराया–धमकाया जाता है। फिर उनसे पैसों की डिमांड की जाती है।साइबर फ्रॉड करने का अन्य बड़ा तरीका है जिसमें कोई ठग लड़की वीडियो कॉल करती है, फिर अश्लील कृत्य का ताना–बाना बुनती है। जब तक संबंधित व्यक्ति कुछ समझ पाता है उसकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग कर ली जाती है। फिर वीडियो वायरल करने के बदले उनसे पैसों की डिमांड की जाती है। सामने वाला व्यक्ति प्रतिष्ठा की वजह से ठगों के चंगुल में फंस जाता है और उन्हें पैसे देना शुरू कर देता है।

बुलंदशहर जिले के औरंगाबाद कस्बे के एक बड़े व्यापारी के बैंक खाते से साइबर ठग ने बिना ओटीपी लिए ही 17 लाख 70 हजार रुपए को अपने खाते में ट्रांसफर कर लिया। व्यापारी के स्टेटमेंट देखने पर ठगी की जानकारी हुई। व्यापारी ने बैंक प्रबंधक और थाना पुलिस से शिकायत की है। साइबर ठगों ने खाते को क्लोन कर इस अकाउंट नंबर पर ऑनलाइन बैंकिंग सेवा चालू करा ली। व्यापारी का आरोप है कि उन्होंने ऑनलाइन बैंकिंग सेवा लेने के लिए बैंक में अप्लाई नहीं किया था। फिर भी फर्म के अकाउंट पर ऑनलाइन सेवा चालू होते ही साइबर ठग ने कई लगातार ट्रांजेशन करके खाते से रुपए निकाल लिए हैं। व्यापारी का कहना है कि उनके पास न तो कोई ओटीपी ही आया और न ही रकम कटने का कोई मेसेज। बैंक स्टेटमेंट देखने पर पता चला।

इसी तरह के अन्य मामले में बिना ओटीपी आए और बिना एसएमएस के मोबाइल हैक कर अकाउंट से कई लाख रुपये निकाल लिए। साइबर फ्रॉड का यह मामला एक बिजनेसमैन से जुड़ा है। उनकी नरेला में एक बड़ी कंपनी है। ठगी का शिकार हुए बिजनेसमैन ने बताया कि 31 अगस्त की रात उनके फोन पर एक मैसेज आया जो उनके एचडीएफसी बैंक खाते के बारे में था। मैसेज में बताया गया कि आपने नए सिम कार्ड के लिए अप्लाई किया है, सिम जल्द ही भेज दिया जाएगा। लेकिन उन्होंने कोई ऐसा सिम कार्ड मंगवाया ही नहीं था। लेकिन मैसेज मिलने के तुरंत बाद ही फोन ने काम करना बंद कर दिया। उन्हें लगा कि नेटवर्क प्रॉब्लम हो सकती है। फिर एक सितंबर को जब कंपनी में संपर्क किया तो पता चला कि उनको अपनी कंपनी के लेटरहेड पर नया सिम कार्ड लेने की बात लिखकर देनी होगी। उन्होंने ऐसा ही किया व स्टोर द्वारा एक नया सिम कार्ड जारी किया गया।

अगले ही दिन वह जब पीतमपुरा, दिल्ली स्थित एचडीएफसी बैंक गए तो बैंक कर्मचारियों ने बताया कि एक सितंबर को खाते से आठ ट्रांजेक्शन हुई हैं। इसमें 41 लाख रुपये निकाले गए हैं। इस बात से वे हैरान रह गए क्योंकि उनके फोन पर न तो पैसे निकलने का कोई ओटीपी आया और न ही कोई मैसेज। उनको पता चला कि उनके फोन को हैक करने के बाद किसी ने उनके नंबर पर नया सिम कार्ड ऑनलाइन ले लिया था जिससे वारदात को अंजाम दिया गया है। इसलिए जरूरी है कि सावधानी बरतें और अपने आधार कार्ड,पैन कार्ड,खाता संख्या आदि किसी को शेयर न करें। साथ ही यदि ठगी हो गई है तो तत्काल पुलिस व साइबर सेल को सूचित कर दें। यदि बैंक की लापरवाही से ठगी हुई है तो सेवा में कमी के लिए हुए नुकसान की बाबत उपभोक्ता अदालत में मुकदमा दायर कर राहत प्राप्त की जा सकती है।

–लेखक उत्तराखंड राज्य उपभोक्ता आयोग के वरिष्ठ अधिवक्ता हैं।

बच्चों में न होने पाये सर्दियों में पानी की कमी

–डॉ सत्यवान सौरभ–

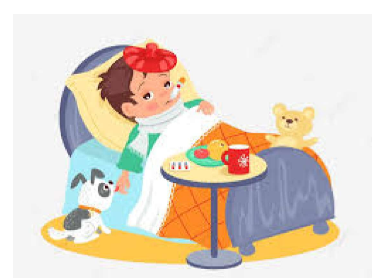

सर्दियों के दौरान, ठंडी हवा शुष्क त्वचा और श्वसन सूखापन पैदा कर सकती है, जिससे हाइड्रेशन और भी जरूरी हो जाता है। इसके अलावा, बच्चे अक्सर ठंड के मौसम में पानी पीने के लिए कम इच्छुक होते हैं, जिससे निर्जलीकरण का खतरा बढ़ जाता है। माता–पिता को अपने बच्चों को ठंड के महीनों में स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ हाइड्रेशन की आदतों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

सर्दी भले ही गर्मियों जैसी तीखी गर्मी न लेकर आए, लेकिन ठंड के मौसम में बच्चों को हाइड्रेटेड रखने की जरूरत उतनी ही जरूरी है। तापमान गिरने पर बच्चों को शायद उतनी प्यास न लगे, लेकिन उनके शरीर को ऊर्जा के स्तर को बनाए रखने, उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को सहारा देने और समग्र स्वास्थ्य सुनिश्चित करने के लिए अभी भी पर्याप्त पानी की जरूरत होती है। सर्दियों के दौरान निर्जलीकरण एक आम चिंता है, जिसे अक्सर अनदेखा कर दिया जाता है क्योंकि पसीना कम दिखाई देता है। माता–पिता को यह सुनिश्चित करने में मदद करने के लिए कि उनके बच्चे हाइड्रेटेड और स्वस्थ रहें, यहाँ सर्दियों में हाइड्रेशन के लिए कुछ व्यावहारिक और रचनात्मक रणनीतियाँ दी गई हैं। सर्दियों के दौरान बच्चों के लिए हाइड्रेशन क्यों जरूरी है शरीर के तापमान को नियंत्रित करने, पाचन का समर्थन करने और प्रतिरक्षा को बढ़ाने जैसे शारीरिक कार्यों को बनाए रखने के लिए उचित हाइड्रेशन जरूरी है। सर्दियों के दौरान, ठंडी हवा शुष्क त्वचा और श्वसन सूखापन पैदा कर सकती है, जिससे हाइड्रेशन और भी जरूरी हो जाता है। इसके अलावा, बच्चे अक्सर ठंड के मौसम में पानी पीने के लिए कम इच्छुक होते हैं, जिससे निर्जलीकरण का खघ्तरा बढ़ जाता है। माता–पिता को अपने बच्चों को ठंड के महीनों में स्वस्थ रखने के लिए स्वस्थ हाइड्रेशन की आदतों को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है।

1. गर्म पेय पदार्थ दें गर्म पानी, हर्बल चाय (कैमोमाइल जैसे बच्चों के लिए सुरक्षित विकल्प) या पतला गर्म फलों का रस जैसे गर्म पेय ठंडे पानी के बेहतरीन विकल्प हैं। ये पेय पदार्थ न केवल हाइड्रेट करते हैं बल्कि गर्मी और आराम भी देते हैं।

2. हाइड्रेटिंग खाद्य पदार्थ शामिल करें संतरे, खीरे, तरबूज और टमाटर जैसे उच्च पानी की मात्रा वाले फल और सब्जियाँ बच्चों को हाइड्रेट रखने के लिए बहुत बढ़िया हैं। अतिरिक्त बढ़ावा के लिए इन्हें उनके भोजन या नाश्ते में शामिल करें।

3. सूप और शोरबा को मुख्य आहार बनाएँ सूप और शोरबा सर्दियों के पसंदीदा हैं और बच्चों को हाइड्रेट करने का एक शानदार तरीका है। घर पर बनी सब्जी या चिकन सूप का चुनाव करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे पौष्टिक और हाइड्रेटिंग दोनों हों।

4. पानी पीने का शेड्यूल तय करें बच्चों को नियमित अंतराल पर पानी पीने के लिए प्रोत्साहित करें, भले ही उन्हें प्यास न लगे। उनके लिए प्रक्रिया को दिलचस्प बनाने के लिए रंगीन पानी की बोतलों या मजेदार टाइमर का इस्तेमाल करें।

5. हाइड्रेटिंग स्नैक्स परोसें बच्चों के लिए दही, स्मूदी या ताजे फलों के रस से बने पॉप्सिकल्स जैसे स्नैक्स हाइड्रेटिंग और मजेदार हो सकते हैं। ये विकल्प हाइड्रेशन के साथ–साथ जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं।

6. मीठे और कैफीन युक्त पेय पदार्थों से बचें मीठे सोडा या कैफीन युक्त पेय पदार्थ निर्जलीकरण में योगदान कर सकते हैं। नारियल पानी या बिना चीनी मिलाए ताजे निचोड़े गए जूस जैसे प्राकृतिक हाइड्रेशन स्रोतों का चुनाव करें।

7. पानी सुलभ रखें अपने बच्चों की आसान पहुँच में पानी की बोतलें या कप रखें। पानी की उपलब्धता उन्हें बार–बार पानी पीने की याद दिलाती है।

8. शारीरिक गतिविधि पर नजर रखें बच्चे अक्सर सक्रिय रहते हैं, यहाँ तक कि सर्दियों में भी। सुनिश्चित करें कि वे बाहरी गतिविधियों या खेलों से पहले, उनके दौरान और बाद में हाइड्रेट रहें ताकि खोए हुए तरल पदार्थों की पूर्ति हो सके।

9. उन्हें हाइड्रेशन के महत्त्व के बारे में सिखाएँ बच्चों को यह बताना कि हाइड्रेटेड रहना क्यों जरूरी है, उन्हें स्वेच्छा से पानी पीने के लिए प्रेरित कर सकता है। पाठ को रोचक बनाने के लिए सरल, मजेदार स्पष्टीकरण या कहानियों का उपयोग करें।

10. निर्जलीकरण के लक्षणों पर ध्यान दें बच्चों में निर्जलीकरण के सामान्य लक्षणों जैसे कि सूखे होंठ, थकान या कम पेशाब आना देखें। ये संकेत हैं कि आपका बच्चा तरल पदार्थ नहीं पी रहा है और उसे अतिरिक्त हाइड्रेशन की जरूरत है। हाइड्रेशन साल भर की जरूरत है और सर्दी भी इसका अपवाद नहीं है। इन सुझावों को अपनी दिनचर्या में शामिल करके, आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि आपके बच्चे ठंड के मौसम में हाइड्रेटेड और स्वस्थ रहें। थोड़ी–सी रचनात्मकता और निरंतरता हाइड्रेशन को मजेदार और आसान बना सकती है, जिससे आपके बच्चों को अपने ऊर्जा स्तर और समग्र स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद मिलेगी। आखिरकार, हाइड्रेटेड रहना सर्दियों के स्वास्थ्य की दिशा में सबसे सरल और सबसे प्रभावी कदमों में से एक है।

भाटपाररानी तहसील में खतौनी निकालने आए किसान की मौत

संवाददाता–देवरिया। जिले के भाटपाररानी तहसील में खतौनी निकालने आए एक किसान की गुरुवार को दोपहर में तबियत बिगड़ गई। तहसील की ऊपरी मंजिल पर चढ़ते समय उनके मुंह और नाक से खून आने लगा। इसकी सूचना मिलते ही एसडीएम रत्नेश तिवारी अपनी गाड़ी से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुचे जहां चिकित्सकों ने किसान को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। खामपार थाना क्षेत्र के नन्दपुर कुकुर घाटी के रहने वाले रामऔतार कुशवाहा (65) अपने बेटे पप्पू कुशवाहा के साथ खतौनी निकालने के लिए गुरुवार की दोपहर तहसील पहुचे थे। तहसील की ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ी चढ़ते समय मुंह नाक से खून आने लगा। सूचना पर एसडीएम रत्नेश कुमार तिवारी तत्काल अपनी गाड़ी में लाद कर अस्पताल लेकर पहुचे, जहां चिकित्सकों ने किसान को मृत घोषित कर दिया। प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ इमाम हुसैन सिद्दीकी ने बताया कि मुंह और नाक से खून आने के कारण मौत हो गई है। हार्ट अटैक की भी आशंका है। थानाध्यक्ष भाटपाररानी नंदा प्रसाद ने बताया कि सूचना पर पुलिस पहुंची थी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

खतौनी निकालने के लिए एक किसान तहसील आए थे तबियत खराब होने पर मैं स्वयं अपनी गाड़ी में लाद कर अस्पताल ले गया। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। हार्ट अटैक की आशंका जताई जा रही है। पीड़ित परिवार को सरकारी मदद दिलाने का प्रयास किया जाएगा।।

तहसील आए किसान के बेटे पप्पू कुशवाहा ने बताया कि गुरुवार को वह अपने पिता के साथ खतौनी सहित अन्य कागजी कार्य के लिए तहसील आया था। ऊपरी मंजिल पर जाते समय उसके पिता रामऔतार की तबियत अचानक बिगड़ गई। पप्पू के अनुसार खतौनी के लिए उसके पिता कई दिनों से तहसील का चक्कर लगा रहे थे। उन्होंने बताया कि उनका जमीन विवाद भी चल रहा है। एक मामलें में डिग्री हुई है उसका भी कार्य तहसील में करवाना था। उस कार्य के लिए उसके पिता तहसील में बार बार आ चुके थे। लेकिन गुरुवार को अचानक उनकी तबियत बिगड़ गई और कुछ ही देर में मौत हो गई।

किसान रामऔतार कुशवाहा की आकस्मिक मौत से पूरे परिवार में मातम पसर गया है। सूचना पाकर अस्पताल पहुचे परिजन दहाड़े मार कर रोने लगे। रामऔतार के चार बेटे व तीन बेटियां है। इसमें बेटियों की शादी हो चुकी है। दो बेटे विदेश में नौकरी करते है। घर पर दूसरे नम्बर के बेटे पप्पू कुशवहाव व छोटा बेटा पंकज रहते हैं। घटना के बाद किसान की पत्नी बासमती देवी सहित परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

नौतनवा में कपड़ा व्यापारी के घर ईडी का छापा, मचा हड़कंप

संवाददाता–महराजगंज। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम नौतनवा कस्बा के वार्ड नंबर एक में कपड़ा व्यवसाई गणेश मद्धेशिया के घर पहुंची । व्यवसाई को सूचना देकर उसके घर के अंदर चली गई और जांच में जुट गई । सुबह 7 बजे से लेकर दोपहर बाद सवा दो बजे तक टीम जांच जुटी रही। नौतनवा कस्बे में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम ने बृहस्पतिवार को सुबह कपड़ा व्यवसायी के घर छापा डाला। छापा में ईडी के साथ बैंक और पुलिस की टीम भी मौजूद है। सूत्रों के अनुसार, करीब एक दर्जन अधिकारियों की टीम व्यापारी और उनके परिजनों से पूछताछ कर रही थी। माना जा रहा है कि यह छापेमारी रुपये के बड़े लेन–देन और संदिग्ध वित्तीय गतिविधियों से जुड़े मामले में की जा रही है। हालांकि, अभी तक जांच टीम की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है। ईडी की टीम अभी भी घर में जांच–पड़ताल कर रही है और अधिकारी हर दस्तावेज और डिजिटल उपकरण की गहन जांच कर रहे हैं। उम्मीद की जा रही है कि जांच पूरी होने के बाद इस मामले से जुड़े तथ्य सामने आएंगे। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम नौतनवा कस्बा के वार्ड नंबर एक में कपड़ा व्यवसाई गणेश मद्धेशिया के घर पहुंची। व्यवसाई को सूचना देकर उसके घर के अंदर चली गई और जांच में जुट गई। सुबह 7 बजे से लेकर दोपहर बाद सवा दो बजे तक टीम जांच जुटी रही। दरवाजा बंद होने से टीम से बात नहीं हो पा रही है। टीम के साथ नौतनवा पुलिस भी है।

सपा के प्रदेश अध्यक्ष बोले- पीडीए की नीति ने उड़ा दी भाजपा की नींद, श्रद्धांजलि सभा में हुए शामिल

संवाददाता–देवरिया। सपा प्रवक्ता मनीष सिंह ने कहा कि 14 वर्ष पूर्व पटनवा पुल पर नागा बाबा साधु और मनोज पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के समय प्रदेश में बसपा की सरकार थी। तब भी कानून व्यवस्था खस्ताहाल थी और आज भाजपा के डबल इंजन सरकार में भी कानून व्यवस्था खस्ताहाल है। चारों ओर चोरी, लूट हत्या जैसी घटनाएं आम हो चुकीं हैं। रामपुर कारखाना स्थित डुमरी चौराहे पर बृहस्पतिवार को सपा के प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल और पूर्व एमएलसी व प्रवक्ता सुनील सिंह साजन का कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया। वे दोनो यहां आयोजित नागा बाबा के श्रद्धांजलि समारोह में शामिल होने आए थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता भाजपा सरकार से तंग आ चुकी है। ऐसे में अब लोगों की उम्मीद और भरोसा सिर्फ हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ही हैं। पीडीए नीति ने भाजपा की नींद उड़ा दी है। उनका विजन बिलकुल साफ है कि प्रदेश के सबसे निचले तबके के आखिरी आदमी का भी विकास होना चाहिए। आगे कहा कि भाजपा के राज में बच्चे स्कूल छोड़ रहे, युवा बेरोजगार हो रहे हैं, रोजगार मांगने पर योगी की पुलिस उनपर लाठियां बरसाती है, बेतहाशा बढ़ती महंगाई ने महिलाओं का घर चलाना मुश्किल कर दिया है। लोगों को इलाज नहीं मिल पा रहा है, लेकिन मंत्री रोज छापेमारी में लगे रहते हैं, पुलिस निर्दोषों का एनकाउंटर कर रही है और डबल इंजन सरकार लोगों को धर्म के आधार पर बांट कर लड़वाने में लगी है। प्रवक्ता एवं पूर्व एमएलसी सुनील यादव साजन ने कहा कि सपा सरकार में हुए कार्यों को जनता के बीच में लेकर जाना होगा। सपा प्रवक्ता मनीष सिंह ने कहा कि 14 वर्ष पूर्व पटनवा पुल पर नागा बाबा साधु और मनोज पाल की हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के समय प्रदेश में बसपा की सरकार थी।

तब भी कानून व्यवस्था खस्ताहाल थी और आज भाजपा के डबल इंजन सरकार में भी कानून व्यवस्था खस्ताहाल है। चारों ओर चोरी, लूट हत्या जैसी घटनाएं आम हो चुकीं हैं। भाजपा के इस शासन काल में कई मामलों में पुलिस भी अपराधी की भूमिका निभाती दिख जाती है।

इस अवसर पर सोनू प्रकाश, आफताब खां, अनिरुद्ध यादव, सोनू खरवार, अक्षय सरकार, सूरज कुमार, विक्की यादव, इंद्रजीत यादव, राजेश कुमार, राम प्रवेश खरवार, अनूप प्रसाद, गोपाल गौड़, विकास यादव, शशि, सुनील श्रीवास्तव, अतुल मद्धेशिया, कृष्णा, राजेश जायसवाल, संदीप, राम इकबाल, विकास यादव, अजीत सिंटू, बेचन यादव आदि शामिल रहे।

घर में जबरन घुसने की कोशिश, महिला को घसीटा

संवाददाता–महराजगंज। कोल्हुई कस्बे के एक घर में कब्जे की कोशिश का मामला सामने आया है। घर में घुसने और हंगामें के दौरान करीब आधे घंटे तक जमकर हंगामा हुआ। इसका किसी ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया, जिसमें महिला को घसीटकर बाहर निकाला जा रहा है। कस्बे के बहदुरी रोड पर स्थित वीरेंद्र शर्मा का मकान है। आरोप के अनुसार गुरुवार को दोपहर में कस्बे के ही दर्जन भर से अधिक की संख्या में लोग पहुंचकर घर को जबरन खाली कराने लगे। जब मकान में रह रहे लोगों ने विरोध जताया तो लोग जबरन सामान को घर से निकाल कर बाहर फेंका जाने लगा। एक युवक घर में मौजूद महिला को घसीसटे हुए भी दिखाई दे रहा है। यह सब देख मौके पर अगल–बगल के लोगों की भीड़ जुट गई। विवाद की जानकारी मिलते ही मौके पर पुलिस पहुंची तो सभी भाग निकले। इस दौरान पुलिस दो लोगों को मौके से पकड़ कर थाने लाई। इस संबंध में एसओ अरविंद सिंह ने बताया कि विवाद में शामिल तीन नामजद व एक दर्जन से अधिक अज्ञात के खिलाफ समुचित धाराओं में केस दर्ज कर करवाई शुरू कर दी गई है।

कालोनी में भारी पुलिस फोर्स के साथ पहुंचा बुलडोजर, ढहाए गए सभी अवैध निर्माण

संवाददाता–बहराइच। शहर के गुल्लाबीर में कांशीराम कालोनी में रहने वाले लोगों ने सरकारी भवन के आगे बड़े पैमाने पर अवैध निर्माण कर लिया था। इसको लेकर लगातार शिकायतें मिल रही थी। मामले को गंभीरता से लेते हुए नगर पालिका प्रशासन ने भवनों के आगे बनाए गए सभी अवैध निर्माण को बुलडोजर लगाकर ढहा दिया। बुलडोजर ऐक्शन के दौरान भारी पुलिस फोर्स तैनात रही। इससे अवैध कब्जेदार में हड़कंप की स्थिति मच गई। ईओ ने कहा कि अवैध अतिक्रमण दोबारा करने वालों को चिंहित कर कार्रवाई की जाएगी।

शहर के गुल्लाबीर में कांशीराम कालोनी विकसित की गई है। इसमें सैकड़ों की संख्या में गरीब परिवार निवास कर रहे हैं। कालोनी में पार्क व खेलकूद के लिए भी जमीन आरक्षित है। इस कालोनी में रहने वाले कुछ दबंग लोगों की सह पर कई लोगों ने अवैध रूप से निर्माण कराकर जमीन पर कब्जा कर लिया था। कई लोगों ने आवास के सामने ही निर्माण करा लिया था। जिससे आए दिन लोगों की ओर से शिकायतें दर्ज कराई जा रही थी। मामला ईओ के संज्ञान में आने पर टीम से जांच कराई। जांच में शिकायत की पुष्टि होने पर राजस्व निरीक्षक सतीश कुमार यादव, सफाई निरीक्षक सुरेश गोविंद मिश्र समेत कई कर्मियों की टीम बुलडोजर लेकर कालोनी में पहुंची। पूरे कालोनी में बनाए गए अवैध निर्माण को ढहा दिया गया।

इस दौरान कई लोगों को कड़ी चेतावनी भी ईओ की ओर से दी गई। कहा कि पार्क में कूड़ा डालने वालों को भी चिंहित कर कार्रवाई की जाएगी। एक घंटे के अभियान में आवासों के सामने बने सभी निर्माण को बुलडोजर से ढहाकर नष्ट कर दिया गया। ईओ ने कहा कि चिंहित लोगों को हिदायत दी गई है। दोबारा अतिक्रमण करने वालों पर कानूनी शिकंजा कसा जाएगा। इस दौरान भारी संख्या में पुलिस बल भी मौजूद रहा। नगर पालिका ईओ ने बताया कि प्रमिता सिंह ने बताया कि गुल्लाबीर कालोनी में सरकारी आवास के सामने बड़े पैमाने पर लोगों ने पक्का निर्माण करा लिया था। हिदायत के बाद भी निर्माण न तोड़ने पर बुलडोजर से ढहा दिया गया है। चिंहित लोगों को चेतावनी भी दी गई है।

सात जनवरी को होगा निर्वाचक नामावलियों का अन्तिम प्रकाशन

संवाददाता–श्रावस्ती। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि अर्हता दिनांक एक जनवरी 2025 के आधार पर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों की निर्वाचक नामावलियों के विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण का अंतिम प्रकाशन सात जनवरी को होगा।

उन्होंने बताया कि पहले अंतिम प्रकाशन की तिथि छह जनवरी निर्धारित की गई थी।

एसपी ने किया पुलिस चौकी भवन का लोकार्पण

संवाददाता–श्रावस्ती। हरदत्त नगर गिरंट थाने के सीमावर्ती क्षेत्र हरबंशपुर चौराहे पर गुरुवार को एक नये पुलिस चौकी भवन का लोकार्पण एसपी घनश्याम चौरसिया ने किया। इसके साथ ही एसपी ने परिसर में पौधरोपण किया। वहीं बैरक, रसोई घर चौकी इंचार्ज के बैठने वाले कमरे को देखा। एसपी ने कहा कि चौकी इंचार्ज और थानाध्यक्ष का यह दायित्व है कि चौकी में आये फरियादियों को सम्मान देते हुए प्रयास करें कि छोटे छोटे मामलों को चौकी पर निपटारा करवाएं। इस मौके पर सीओ संतोष कुमार, थानाध्यक्ष शैलकांत उपाध्याय,चौकी इंचार्ज हरबंशपुर घनश्याम गुप्ता, चौकी इंचार्ज बदला विशाल शुक्ला, एसएस आई अंकुर वर्मा, एसआई वीरेंद्र प्रसाद सिंह, राजकिशोर, रामनरेश वर्मा, प्रधान प्रतिनिधि मुन्नू बेग, रफीक अली, प्रधान जुबेर अहमद, प्रधान शब्बीर, असगर अली,बलराज सिंह, रामभोज, विजय कुमार यादव आदि मौजूद रहे।

नई बिजली लाइन कार्य देख ग्रामीणों का प्रदर्शन, नोकझोक

संवाददाता–महराजगंज। आबादी के बीच दूसरी नई बिजली लाइन कार्य शुरू देख ग्रामीणों को गुस्सा फूट पड़ा। बिजली विभाग के खिलाफ नारेबाजी कर प्रदर्शन करने लगे। इसके लेकर ग्रामीणों से बिजली टीम से कहासुनी भी हो गई। ग्रामीणों का विरोध देख बिजली टीम ने पोल गाड़ने का कार्य बंद कर दिया। मामले का समाधान होने तक बिजली लाइन कार्य बंद करने की बात कहकर टीम वापस चली गई। मामला ठूठीबारी के शांतिनगर मोहल्ले का है। प्रदर्शन कर रहे शांतिनगर मोहल्ले के शकीला, हुस्ना खान, संपाती साहनी, संदीप कसेरा, जय निगम, सुरेंद्र द्विवेदी, गुड्डू मिर्जा, कन्हैया प्रसाद, निजामुद्दीन, रतन कसेरा, रहीम, महेश कुमार, गोपी चंद, विवेक कुमार, प्रकाश और वीरेंद्र कुमार का कहना था कि आबादी के बीच से सही हाईटेंशन की एक लाइन गई है। एक निजी संस्थान को लाभ देने के लिए विभाग दूसरी हाईटेंशन लाइन लगाने का काम कर रहा है। आबादी के बीच से निकली सड़क पर हमेशा भारी वाहनों की भीड़ रहती है। ऐसे में एक सड़क पर दो हाईटेंशन लाइन होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। बार–बार विरोध करने के बाद भी विभाग मनमानी कर रहा है। ग्रामीणों का विरोध देख एसडीओ बिजली ने पोल गाड़ने का कार्य बंद करा दिया। पोल गाड़ने का कार्य बंद होते ही ग्रामीणा शांत हो गए। इस मौके पर कोतवाली पुलिस के अलावा एक दर्जन से अधिक बिजली कर्मचारी मौजूद रहे। ठूठीबारी के शांतिनगर मोहल्ले से गुजरी मुख्य सड़क से नेपाल से अधिक वाहन आवाजाही रहती है। ग्रामीणों के विरोध प्रदर्शन से मुख्य सड़क पर एक घंटे वाहनों के पहिए ठप रहे। करीब एक किलोमीटर तक वाहनों का कतार लग गया। यातायात व्यवस्था ठीक कराने में यातायात पुलिस के साथ ही कोतवाली पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। आशीष विष्ट, एसडीओ, ठूठीबारी विद्युत उपकेंद्र ने कहा कि ग्रामीणों का विरोध देख पोल गाड़ने का कार्य ठप कर दिया गया है। मामले को उच्चाधिकारियों से अवगत करा दिया गया है। मामले का समाधान होने तक लाइन कार्य ठप रहेगा।

गड़ौरा मिल के 14 कर्मचारियों को हटाए जाने से आक्रोश, धरना

संवाददाता–महराजगंज। गड़ौरा चीनी मिल प्रबंधन द्वारा वेज बोर्ड के 14 कर्मचारियों को अचानक हटाए जाने से गुरुवार को मिल कर्मचारी आक्रोशित होकर धरने पर बैठ गए। कर्मचारियों का कहना था कि मिल प्रबंधन मनमाने तरीके से मजदूरों को निकाल रहा है। इससे नाराज कर्मचारी कार्य बहिष्कार पर चले गए हैं। इससे गहमा–गहमी बनी रही। इसके कुछ ही देर बाद मिल प्रबंधन के लोग मौके पर पहुंचे और कर्मचारियों के साथ समझौता किया, तब जाकर कर्मचारी माने। समझौते के बाद पुनः काम पर वापस लौट गए। गड़ौरा चीनी मिल प्रबंधन द्वारा वेज बोर्ड के 14 कर्मचारियों को अचानक हटा दिया गया था। कर्मचारियों को हटाए जाने से नाराज कर्मचारी पूर्वांचल चीनी मिल मजदूर यूनियन गड़ौरा मिल इकाई के अध्यक्ष नवल किशोर मिश्रा के नेतृत्व में धरने पर बैठ गए। इससे मिल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। कुछ देर बाद मिल प्रबंधन की तरफ से जिम्मेदार अधिकारी कर्मचारियों के साथ बैठकर इनकी मांगों पर गंभीरता से विचार किया और दोनों पक्ष में सहमति बनने पर सभी कर्मचारी काम पर वापस पर लौट गए। यूनियन अध्यक्ष नवलकिशोर मिश्र ने बताया कि अचानक वेज बोर्ड के 14 कर्मचारियों को मिल प्रबंधन द्वारा निकाल दिया गया। फैसले के विरुद्ध कर्मचारी लामबंद हो गए उन्होंने बताया कि एक भी कर्मचारी के साथ ऐसा होगा तो आंदोलन के लिए कर्मचारी बाध्य होंगे। उन्होंने बताया कि मिल प्रबंधन से वार्ता के बाद हटाए गए कर्मचारियों में से 12 कर्मचारियों को यूनिट हेड द्वारा रख लिया गया है और शेष दो कर्मचारियों को दो दिन में रखने के लिए आश्वासन दिया गया है। आश्वासन के बाद सभी कर्मचारी काम पर लौट गए एवं मिल चलाने की तैयारी शुरू हो गई। शेष दो कर्मचारियों को नहीं रखा गया तो कर्मचारी फिर आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। इस दौरान अमला यादव, प्रवीण मिश्रा, शारदानंद यादव, राजकुमार मिश्र, गजानंद मिश्रा, इस्तखार सिद्दीकी, अम्बरीष मिश्रा, पन्ने लाल चौधरी, शिशुपाल सिंह, इस्लाम अंसारी, राजकुमार पाण्डेय आदि मौजूद रहे।

राम भक्तिशाखा के अतिप्रतिष्ठात संत थे बनादास महराज

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या।राम भक्तिशाखा के अतिप्रतिष्ठात संत महात्मा बनादास महाराजध 203 वीं जयन्ती 3 जनवरी को सुबह 10.30 सरयू तट राम की पैड़ी घाट, नं0 10 भव्य रूप से मनाई जाएगी। बनादास महराज का जन्म गोंडा जिले के अशोकपुर नामक गाँव में सन 1821 ई. में हुआ था। ये क्षत्रिय जाति के थे। इनके पिता का नाम गुरुदत्तसिंह था। घर की आर्थिक स्थिति अच्छी न होने के कारण इन्होंने भिनगा राज्य बहराइच की सेना में नौकरी कर ली और लगभग सात वर्ष तक वहाँ रहे। इसके प्रश्चात घर लौट आये। वहाँ रहते अधिक दिन नहीं बीते थे कि इनके एकमात्र पुत्र का अकस्मात निधन हो गया। पुत्र के शव के साथ ही 1851 ई. की कार्तिक पूर्णिमा को ये अयोध्या चले गये और फिर वहीं के हो गये। आरम्भ में दो वर्ष देशाटन करके इन्होंने चौदह वर्षों तक रामघाट पर कुटी बनाकर घोर तप किया। साधना पूरी होने पर इन्हें आराध्य का साक्षात्कार हुआ। इसके अनंतर इन्होंने विक्टोरिया पार्क वर्तमान तुलसी उद्यान से संलग्न भूमि पर श्भवहरण कुंजश नामक आश्रम बनाया। इसी स्थान पर सन 1892 ई. को इनका साकेतवास हुआ।उक्त जानकारी श्री महाराज जी के वंशज अंकित दास दी।

पूजित कलश के साथ निकाली भव्य शोभायात्रा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। गुरुवार को भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीरामलला का 76 वाँ प्राकट्य महोत्सव का हुआ समापन। 31 दिसंबर को श्री श्री राम जन्मभूमि सेवा समिति के पदाधिकारी ने श्री रामलला के आर्चक को पूजन के लिए कलश सौंपा, तीन दिवसीय पूजन के पश्चात श्री रामलला के गर्भगृह पूजित कलश पुनः समिति को सौंप गया। पूजित कलश और हनुमान महाराज के निशान को लेकर के हाथी घोड़े बैंड बाजे के साथ समिति के अध्यक्ष महर्षि डॉ रामविलास वेदांती, सभापति महंत धर्मदास, महामंत्री अच्युत शंकर शुक्ल, संयुक्त मंत्री महंत जयराम दास, वरिष्ठ सदस्य महंत राघवेश दास वेदांती, महंत राम मिलन शरण, महंत श्यामसुंदर दास, महंत सनत कुमार दास, कैसरगंज के पूर्व सांसद बृजभूषण शरण सिंह, वर्तमान सांसद करण भूषण शरण सिंह, गोंडा सदर के विधायक प्रतीक भूषण शरण सिंह, अयोध्या जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि आलोक सिंह के साथ अयोध्या के संतो महंतों संस्कृत के विद्यार्थियों और श्री राम भक्तों ने श्री रामकोर्ट की परिक्रमा की और इसी के साथ तीन दिवसीय 76 वाँ प्राक आज ही की तिथि पौष शुक्ल तृतीया 1949 को ही श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान प्रभु श्रीरामलला का प्राकट्य हुआ व प्रभु की तीनो भाइयो संग प्राण प्रतिष्ठा की गयी थी, जिसके प्रत्येक वर्षगाठ पर श्री राम जन्मभूमि सेवा समिति पौष शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से पौष शुक्ल पक्ष तृतीया तक श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान प्रभु श्रीरामलला का प्राकट्य महोत्सव अनवरत मनाती आ रही है। कलश के साथ शोभायात्रा श्री रामजन्मभूमि गेट नंबर 3 क्षीरेश्वर नाथ मंदिर से प्रारंभ हुई टेढ़ी बाजार अशर्फी भवन होते हुए यात्रा पुनः क्षीरेश्वर नाथ पहुंची जहां पर जय श्री राम के उद्‌घोष के साथ अगले वर्ष महोत्सव को और भाव मनाने के संकल्प के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। समिति के महासचिव अछूत शंकर शुक्ला और संयुक्त मंत्री महंत जयरामदास ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर महंत बलराम दास के साथ हजारों लोग हुए सम्मिलित।

संदिग्ध परिस्थितयों में विवाहिता की मौत

संवाददाता–श्रावस्ती। बरगदहा गांव में 28 वर्षीय ननकई की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके वालों ने हत्या का संदेह जताया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा किया और शव को परिजनों को सौंप दिया। मल्हीपुर थाना क्षेत्र के के ग्राम पंचायत बरगदहा के मजरा घुमना निवासी ननकई (28) पत्नी दुर्गेश की गुरुवार को संदिग्ध परिस्थितयों में मौत हो गई। जिसकी सूचना परिजनों ने मृतिका के मायके पक्ष को दी। सूचना पर मृतका के पिता भिनगा थाना क्षेत्र के खलसा परशुरामपुर गांव निवासी सालिक राम पुत्र देवतादीन मौके पर पहुंचे। मायके के लोग महिला की मौत पर संदेह जताने लगे। जानकारी होने पर जमुनहा पुलिस चौकी प्रभारी गुरुसेन सिंह टीम के साथ पहुंचे। लेकिन ससुराल व मायके के लोगों में आपसी सुलह समझौता हो जाने पर पुलिस ने पंचनामा कर शव को परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

पोर्टिको में खड़े तीन दोपहिया वाहन बने आग का गोला

संवाददाता–बहराइच। प्रयागराज में महाकुंभ के मद्देनजर भारत– नेपाल के सरहद इलाके में कड़ी सुरक्षा बरती जा रही है। शहर के सखैयापुरा की सघन बस्ती में एक कारोबारी के आवास की पोर्टिको में खड़ी दो बाइक व एक स्कूटी में संदिग्ध परिस्थितियों में आग लगने से तीनो वाहन आग का गोला बन गए। टंकी फटने से आग ने भीषण रुख अख्तियार कर लिया। आसपास के लोगों की ओर से आग बुझाने के दौरान समय से पहुंची दमकल ने आग पर कड़ी मशक्कत से काबू पा लिया।

तीनों वाहन, मकान का इलेक्ट्रिक सिस्टम जलकर नष्ट हो गया। लगभग ढाई लाख के नुकसान का अनुमान है। नगर कोतवाली के सखैयापुरा निवासी पियूष जैन पुत्र प्रताप चंद्र जैन के आवास की पोर्टिको में बुधवार रात लगभग 10:46 बजे दो बाइक व एक स्कूटी आग का गोला बन गई। लोगों के शोर मचाने पर इस परिवार के लोगों को इसकी जानकारी हुई।

घर से बाहर भागे। लोग आग बुझाने के प्रयास में जुट गए। इसी दौरान तीनो वाहनों की टंकी में आग लगने से भीषण रुख अख्तियार कर लिया। सूचना पर नगर कोतवाली पुलिस व दमकल पहुंची। तब तक आग फैल कर बिजली सिस्टम को चपेट में ले लिया। कड़ी मशक्कत से आग पर काबू पाया गया। तब तक तीनों वाहन, इलेक्ट्रिक सिस्टम जलकर नष्ट हो गया। भवन पर भी आग की लपटों से असर पड़ा है। आग बुझने पर बस्ती के लोगों ने राहत की सांस ली है। लोग आगजनी की आशंका जता रहे हैं। लगभग ढाई लाख की क्षति का अनुमान है।

सीएम योगी बोले– गोरखपुर में हुआ 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश, पहले इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौतें होती थी

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारें जहां विकास के आयामों, उद्योगों, कारखानों को बंद करने और उन्हें बेचने में लगी रहती थीं, वहीं भाजपा की डबल इंजन सरकार नव सृजन और नया निर्माण कर विकास का माहौल बनाने में जुटी हुई है। मिसाल के तौर पर गोरखपुर के बंद खाद कारखाने और पिपराइच की बंद चीनी मिल को देखा जा सकता है। पूर्व की सरकारों ने जहां इसे बंद कर दिया था और बेचने की तैयारी में थीं, वहीं डबल इंजन की सरकार ने इन्हें फिर से चला कर दिखा दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि डबल इंजन सरकार में नए साल में उत्तर प्रदेश नई गति से विकास पथ पर आगे बढ़ेगा। यहां नौकरी और रोजगार के अवसर और तेजी से बढ़ेंगे और यहां के युवाओं को कहीं बाहर नहीं जाना पड़ेगा। सीएम योगी नए साल के दूसरे दिन गुरुवार को गोरखपुर में रोड कनेक्टिविटी, किसान हित और खाद्य एवं दवा सुरक्षा से जुड़ी 1533 करोड़ रुपये की नौ विकास परियोजनाओं के शिलान्यास और लोकार्पण समारोह को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने 1478 करोड़ 80 लाख 68 हजार रुपये के चार विकास कार्यों का शिलान्यास तथा 53 करोड़ 73 लाख 66 हजार रुपये के पांच विकास कार्यों का लोकार्पण किया। जनता इंटर कॉलेज चरगांवा में हुए समारोह में सीएम ने कहा कि विकास की ये परियोजनाएं आने वाले समय मे नए गोरखपुर का दर्शन और भी सशक्त रूप में कराएंगी।

सीएम योगी ने डबल इंजन सरकार में आए बदलाव की चर्चा करते हुए कहा कि एक समय समाजवादी पार्टी की सरकार में इंसेफेलाइटिस से बड़े पैमाने पर बच्चों की मौतें होती थीं। यह बच्चे समाज और देश की अमानत थे लेकिन जाति के नाम पर समाज को बांटने का पाप करने वालों ने इसके बारे में तनिक भी नहीं सोचा। इंसेफेलाइटिस से करने वाले 90 प्रतिशत बच्चे दलित और अल्पसंख्यक समाज के थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में इंसेफलाइटिस की बीमारी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। सीएम योगी ने कहा कि आज का गोरखपुर आधुनिक भारत के आधुनिक उत्तर प्रदेश के आधुनिक गोरखपुर का दर्शन करा रहा है। जबकि सपा की सरकार में गोरखपुर में बिजली नहीं मिलती थी, लोगों को स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलती थीं। बीआरडी मेडिकल कॉलेज खुद बीमार हो गया था तो लोगों का बेहतर इलाज कैसे करता।

1990 में सपा और कांग्रेस सरकार ने गोरखपुर के खाद कारखाना को बंद कर दिया। पिपराइच की चीनी मिल बंद ही नहीं थी बल्कि इसे बेचने की तैयारी की जा रही थी। सड़कों की दशा ऐसी थी कि पता ही नहीं चलता था कि सड़क पर गड्ढे हैं या गड्ढे में सड़क है। रामगढ़ताल गंदगी का ढेर बना हुआ था। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार है तो रामगढ़ताल पर्यटन का नया केंद्र बन गया है। गोरखपुर का खाद कारखाना और पिपराइच की चीनी मिल दोबारा चालू हो गई है। बीआरडी मेडिकल कॉलेज की व्यवस्था सुदृढ़ हो गई है और गोरखपुर में एम्स भी शुरू हो गया है। हर तरफ टूलेन, फोरलेन और सिक्सलेन की रोड कनेक्टिविटी है। उन्होंने कहा कि गोड़धोईया नाला का कार्य पूर्ण होते ही जलभराव की समस्या का भी स्थायी समाधान हो जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कार्य करने का जज्बा होना चाहिए। समाज के प्रति जवाबदेही का जज्बा होगा तो सभी समस्याओं का समाधान भी हो जाएगा। उन्होंने कहा कि आज गोरखपुर में की पिपराइच की चीनी मिल चल रही है, खाद कारखाना चल रहा है, गोरखपुर में चिड़ियाघर भी खुल गया है।

गोरखपुर में लखनऊ, वाराणसी सहित सभी तरफ से शानदार रोड कनेक्टिविटी है। विकास होने से रोजगार के नए–नए अवसर भी आ रहे हैं। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में पांच साल में 15 से 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश धरातल पर उतर चुका है। उद्योग लगने से हजारों युवाओं को रोजगार की गारंटी मिली है। आज गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं, वेटरिनरी कॉलेज भी बन रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह वर्ष बहुत महत्वपूर्ण होने वाला है। इसकी शुरुआत विकास कार्यों से हो रही है। उन्होंने बताया कि गोरखपुर में बन रहे वेटरिनरी कॉलेज से जहां पशुपालन का प्रशिक्षण प्राप्त होगा तो वहीं कुशीनगर में कृषि विश्वविद्यालय बन रहा है। इससे कृषि की पढ़ाई के साथ किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकी का प्रशिक्षण सुलभ होगा। गोरखपुर के नवीनीकृत कृषि विद्यालय में भी किसानों को नए तौर तरीकों को सीखने का मौका मिलेगा। सीएम योगी ने कहा कि डबल इंजन की भाजपा सरकार विकास और विरासत के संरक्षण से जुड़कर पूरी दुनिया का ध्यान आकर्षित करती है। यह सरकार विकास और विरासत के संरक्षण के प्रति संकल्पित है। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी को पौष पूर्णिमा से लेकर 26 फरवरी महाशिवरात्रि तक प्रयागराज में सदी का पहला महाकुंभ आयोजित होने जा रहा है।

यह मुहूर्त 144 साल के बाद आया है। प्रयागराज महाकुंभ के लिए सरकार ने भव्य व्यवस्था की है। यहां देश और दुनिया के श्रद्धालु आकर उत्तर प्रदेश की आतिथ्य सेवा का नया अनुभव प्राप्त करेंगे। उन्होंने कहा कि गत वर्ष अयोध्या में 500 वर्षों के इंतजार के बाद भगवान रामलला विराजमान हुए थे। इस वर्ष महाकुंभ के आयोजन के साथ उत्तर प्रदेश विकास और विरासत से जुड़कर पूरी दुनिया को आकर्षित करेगा।

सभी लोगों को ईस्वी सन 2025, आगामी खिचड़ी मेला और महाकुंभ की शुभकामनाएं देते है मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि समस्याओं के समाधान और विकास प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए डबल इंजन सरकार आवश्यक है। विकास की तीव्र प्रक्रिया तभी संभव है जब केंद्र और प्रदेश में समान विचारधारा की सरकार हो। उन्होंने कहा कि विकास से जुड़ने के लिए हमें आत्म अनुशासन को भी अपनाना होगा। शासन की योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, इसमें सबकी सहभागिता होनी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबका साथ–सबका विकास का मंत्र भी इसीलिए है कि हर वंचित, गरीब, किसान, महिला, युवा को योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के प्राप्त हो। डबल इंजन की सरकार इसके लिए प्रतिबद्ध है। उम्मीद है कि विकास और विरासत की यात्रा में जनता का आशीर्वाद डबल इंजन सरकार के साथ बना रहेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राजकीय कृषि विद्यालय के नवीनीकृत होने पर किसानों को बधाई देते हुए कहा कि यह विद्यालय 1932 में बना था लेकिन इसका भवन जीर्ण शीर्ण हो गया था। अब नए भवन के साथ किसानों को नई तकनीकी के प्रशिक्षण और सरकारी योजनाओं को जानने का सुविधाजनक अवसर मिलेगा। राप्ती नदी पर नौसढ़–कालेसर तटबंध के सुदृढ़ीकरण कार्य का लोकार्पण करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि 1998 में आई बाढ़ सबको याद है। इसमें नौसढ़–कालेसर तटबंध टूट गया। इससे सुदृढ़ होने में 25 साल लग गए। एक युग बीत गया, एक पीढ़ी बीत गई। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार पहले रही होती तो यह कार्य भी तत्काल हो गया होता। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार प्रदेश में सभी तटबंधों को सुदृढ़ कर बाढ़ की समस्या के स्थायी समाधान की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर–पिपराइच फोरलेन के शिलान्यास को विकास के नए आयाम से जोड़ते हुए कहा कि इससे विकास को नई गति मिलेगी। गोरखपुर–पिपराइच के बीच आने–जाने में बीस मिनट लगते थे। फोरलेन बन जाने से सिर्फ सात से आठ मिनट लगेंगे। उन्होंने राप्ती नदी पर बनने वाले दो पुलों से होने वाली सहूलियत का भी उल्लेख किया। समारोह को संबोधित करते हुए प्रदेश सरकार के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चतुर्दिक विकास के साथ संपूर्ण उत्तर प्रदेश का कायाकल्प हुआ है। सीएम योगी ने देश और दुनिया में सुशासन का नया आयाम स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि किसानों के हित सीएम योगी के नेतृत्व में सरकार ने कई ऐतिहासिक कार्य किए हैं। अन्नदाता किसानों को कृषि यंत्रों के लिए 1500 करोड रुपये का अनुदान दिया गया है। कृषि यंत्रों पर 50 से लेकर 80 प्रतिशत अनुदान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में प्रदेश में तिलहन उत्पादन 12 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 28.5 लाख मीट्रिक टन हो गया है। राजकीय कृषि विद्यालय के प्रशासनिक भवन और किसान हॉस्टल का फीता काटकर लोकार्पण करने के बाद मुख्यमंत्री ने दोनों का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कृषि विद्यालय परिसर में कृषि विभाग के सात लाभार्थी किसानों/फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनियों के प्रतिनिधियों को ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। इसके बाद उन्होंने जनता इंटर कॉलेज चरगांवा में बने मंच पर कृषि विभाग की विभिन्न योजनाओं के 14 लाभार्थियों को प्रमाण पत्र वितरित किए। इन लाभार्थियों को रोटावेटर, पॉवर टिलर, सोलर पम्प, थ्रेसर, स्ट्रा रिपर, कम्बाइन हार्वेस्टर, स्माल गोदाम, मानव रहित चेफ कटर व सम्मान निधि का लाभ प्राप्त हुआ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कार्यक्रम स्थल पर कृषि, उद्यान, पशुपालन, मत्स्यपालन आदि विभागों तथा फार्मर्स प्रोड्यूसर कम्पनियों की तरफ से लगाए गए स्टालों का भी अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने स्टालों पर प्रदर्शित उत्पादों के बारे में जानकारी ली। कृषि नमो ड्रोन के स्टाल पर मुख्यमंत्री ने नमो ड्रोन दीदी तथा अन्य स्टालों पर मौजूद लोगों से बातचीत कर हौसला अफजाई की। बाल विकास विभाग के स्टाल पर सीएम योगी ने बच्चों का अन्नप्राशन कराया और खूब दुलाकरकर उन्हें उपहार व आशीर्वाद दिया। उन्होंने इसी स्टाल पर गर्भवती महिलाओं की गोदभराई कर उन्हें पोषण किट का उपहार दिया।

गलत टीका लगाने से दो जुड़वा बच्चों की मौत

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। जिले के टांडा के पहराजपुर में पिछले बृहस्पतिवार को टीकाकरण कैंप लगा था। गांव के अनिल कुमार के तीन माह के जुड़वा बच्चों रियांश और रीत को वहीं पर टीका लगाया गया था। टीका लगने के अगले दिन 27 दिसंबर को रियांश की मौत हो गई थी। उसके जुड़वा भाई रीत ने बुधवार को दम तोड़ दिया। ग्रामीणों ने इसके लिए स्वास्थ्य कर्मियों को जिम्मेदार ठहराते हुए बृहस्पतिवार को प्रदर्शन शुरू कर दिया। मामला बढ़ता देख सीएमओ डॉ. राजकुमार ने जांच के लिए एसीएमओ के नेतृत्व में टीम गठित कर दी। बच्चे का शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। सीएमओ ने बताया कि बच्चे के पोस्टमार्टम की वीडियोग्राफी कराई जाएगी।

भ्रष्टाचार के आरोप में हटाए अयोध्या मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य

संवाददाता–अयोध्या। भ्रष्टाचार के आरोप में अयोध्या के राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय के प्रधानाचार्य को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा महानिदेशालय से संबद्ध किया गया है। साथ ही संविदा पर तैनात लिपिक की मौत के मामले की भी जांच कराई जाएगी। पीड़ित के परिवार ने प्रधानाचार्य पर प्रताड़ना के गंभीर आरोप लगाए हैं।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने अयोध्या मेडिकल कॉलेज में प्रधानाचार्य के प्रकरण को गंभीरता से लिया है। जीरो टालरेंस की नीति अपनाते हुए डिप्टी सीएम ने कार्रवाई की है। डिप्टी सीएम ने बताया कि कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. ज्ञानेन्द्र कुमार को पद से हटा दिया गया है। उन्हें चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण महानिदेशक कार्यालय से सम्बद्ध कर दिया गया है। डॉ. ज्ञानेन्द्र की प्रताड़ना से संविदा लिपिक प्रभुनाथ मिश्र की मृत्यु के आरोपों की भी जांच कराई जायेगी। अयोध्या के प्रधानाचार्य की लगातार गम्भीर शिकायतें हुई। उन पर पूर्व अनुमोदित फर्मों से क्रय की गयी औषधियों, हाउस कीपिंग, बायोमेडिकल वेस्ट, मरीजों का खाने आदि का भुगतान न करते हुए लम्बित बिलों का भुगतान करने में कमीशन की मॉग के आरोप लगे हैं। शिकायत के बाद शासन ने 17 मई 2024 को अपर निदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण की अध्यक्षता में वित्त नियंत्रक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण लखनऊ व अपर जिलाधिकारी (एफ०आर०), अयोध्या की त्रिसदस्यीय समिति गठित की गयी थी। कमेटी ने जांच कर आख्या लोकायुक्त को निर्णय के लिए 23 सितंबर 2024 को प्रेषित कर दी थी।

एयरपोर्ट के लिए खोदवाए गए नाले में गिरकर अधेड़ की मौत

संवाददाता–अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के समाहा कला में एयरपोर्ट के लिए खोदवाए गए नाले में गिरकर बुधवार की देर रात एक अधेड़ की मौत हो गई। परिजन रात भर उन्हें खोजते रहे लेकिन उनका कोई सुराग नहीं लगा। बृहस्पतिवार की सुबह उनका शव घर के बगल ही नाले में पड़ा मिला तो हलचल मच गई। काफी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और आक्रोश जताया। गांव निवासी रामचरन यादव (45) बुधवार की रात घर से निकले थे। इस बीच संदिग्ध परिस्थितियों में घर से सटे हुए नाले में गिर गए। सुबह काफी संख्या में परिजन और ग्रामीण एकत्र हुए और पुलिस बुलवाई गई। मृतक के भाई राम मूरत यादव ने बताया कि प्रशासन ने नाला खोदवाया और खुले में ही छोड़ दिया है। आने–जाने के लिए भी रास्ता नहीं बचा है। इस वजह से यह मौत को दावत दे रहा था। प्रशासन के अनदेखी की वजह से हादसा हुआ है। ग्रामीण पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के पहुंचने तक शव न उठाने पर अड़े हैं। हालांकि मौके पर पीआरबी पुलिस मौजूद है।

अनियंत्रित कार पलटी दबने से चालक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। चिलुआताल क्षेत्र के बालापार में हनुमान मंदिर के पास दावत खाकर वापस आ रहे युवकों की कार अनियंत्रित होकर पलट गई। दबने से कार चालक की मौत हो गई। अन्य तीन लोग घायल हो गए। बुधवार की रात नकहा नंबर एक के पास स्थित काली मंदिर यादव टोला निवासी खुल्ला पुत्र सिद्धू, रोहित यादव पुत्र रामबली यादव, निखिल यादव पुत्र राम भोला यादव एवं रंजन नए साल के उपलक्ष्य में कही दावत खाने गए थे। उधर से वापस आते समय बालापार गांव के पास हनुमान मंदिर के बगल में कार अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे कार चला रहे रोहित (30) की दबने से घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

टीम की जांच में स्टाफ नर्स नहीं मिली दोषी

संवाददाता–संतकबीरनगर। बीते 21 दिसंबर को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र चुरेब में महिला की मौत होने पर परिजनों ने जमकर हंगामा किया था। परिजनों का आरोप था कि अस्पताल पर तैनात स्टाफ नर्स कल्पना वर्मा की लापरवाही के कारण महिला की मौत हो गई थी । पूरे प्रकरण की जांच करने के लिए सीएम ने जांच कमेटी गठित कर सीएमओ को निर्देश दिया था। इस पर सीएमओ के द्वारा गठित टीम ने जांच पूरी कर सीएमओ को रिपोर्ट सौप दी। सीएमओ ने जांच रिपोर्ट डीएम को बुधवार को भेज दिया। जांच में स्टाफ नर्स पर लगाया गया आरोप सही नही निकला। भाटपार गांव निवासी राम चन्द्र ने 23 दिसंबर को कोतवाली में तहरीर दिया था। जिसमें उनका आरोप था कि उनकी बहू कमलावती देवी को 21 दिसंबर को सुबह छह बजे के लगभग प्रसव पीड़ी हुई । वे सब उन्हे प्रसव के लिए पीएचसी चुरेब ले गए। जहां पर उन्हे भर्ती किया गया। स्टाफ नर्स कल्पना वर्मा के द्वारा उनकी नार्मल प्रसव कराया गया। उक्त कर्मी के द्वारा उन लोगों से पांच हजार रूपये की मांग की गई। उक्त महिला की तबियत अधिक खराब होने पर बाहर से कुछ दवाएं मगवाकर दिया गया। लेकिन उनकी हालत में सुधार नही हुआ। लापरवाही के कारण उक्त प्रसूता की मौत हो गई थी। इस मामले में परिजनों द्वारा जमकर हंगामा किया गया था। इस पर कोतवाली पुलिस ने स्टाफ नर्स पर मुकदमा दर्ज किया। मामले में जनपद के सभी संविदा कर्मी के अलावा अन्य कर्मियों ने कार्य बहिष्कार करते हुए आन्दोलन शुरू कर दिया। जिला अस्पताल पर इन लोगों के द्वारा जमकर हंगामा किया गया। जिससे पूरे जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई थी । डीएम ने उक्त मामले में सीएमओ को जांच कमेटी बनाकर जल्द जांच कराने को कहा था। साथ ही जांच रिपोर्ट भेजने का निर्देश दिया था। सीएमओं के द्वारा गठित चार सदस्यीय जांच कमेटी ने जांच कर सीएमओ को रिपोर्ट प्रस्तुत किया । जानकारी के अनुसार जांच कमेटी के सामने स्टाफ नर्स की लापरवाही की बात सामने नही आई। वहीं अब स्वास्थ्य विभाग जांच रिपोर्ट डीजी हेल्थ को भेजने की तैयारी में है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
वाद सं0:–
अदालत– श्रीमान नायब तहसीलदार महोदय नगर जिला–बस्ती

दयाराम
बनाम
माता प्रसाद

1. दयाराम 2. रामपलट 3. बाबूराम 4. परशुराम पुत्रगण सीताराम साकिनान मौजा चरकैला (वहडीला) तप्पा चरकैला परगना महुली पश्चिम तहसील बस्ती जिला–बस्ती

तारीख पेशी 04–01–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 04 माह 01 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 02 माह 01 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

आवश्यकता है

मदरसा अरबिया अशरफुल उलूम हटवा बाजार जिला बस्ती यू०पी० में निम्नलिखित पद हेतु आवेदन आमंत्रित किये जाते है।

सहायक अध्यापक फौकानिया–01 पद
योग्यता– स्नातक तथा उ. प्र. मदरसा शिक्षा परिषद से आलिम अथवा उर्दू सहित इण्टर का प्रमाण–पत्र आवश्यक है।
आयु– न्यूनतम 20 वर्ष।
सहायक अध्यापक तहतानिया– 01 पद
योग्यता– उ. प्र. मदरसा शिक्षा परिषद से आलिम अथवा उर्दू से इण्टर अथवा हाफिज का प्रमाण–पत्र आवश्यक है।
आयु– न्यूनतम 18 वर्ष।
नोट– वेतनमान उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुमन्य तथा उपरोक्त योग्यता में कम से कम 50 प्रतिशत नम्बर होना अनिवार्य है। उक्त योग्यता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी अपना योग्यता प्रमाण पत्रों की, छायाप्रति (फोटोकापी) के साथ दिनांक 24–01–2025 तक रजिस्टर्ड डाक से या स्वयं मदरसा के दफ्तर में जमा कर सकते है। साक्षात्कार की सूचना रजिस्टर्ड डाक द्वारा पात्र अभ्यर्थियों को अलग से दी जायेगी। साक्षात्कार हेतु मूल प्रमाण पत्रों सहित मदरसा दफ्तर में हाजिर हों। साक्षात्कार हेतु कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

प्रबंधक
मदरसा अरबिया अशरफुल उलूम
हटवा बाजार
जिला बस्ती यू०पी०

कार्यालय उपनिदेशक (निर्माण)

राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद उ0प्र0

नवीन मण्डी स्थल– बस्ती

पत्रांकः निर्माण/निविदा/बस्ती/2025–365 दिनांकः 02.01.2025

ई–निविदा सूचना :–

निम्नलिखित नवीन सम्पर्क मागों के कार्यो हेतु ई निविदायें दिनाक 25.01. 2025 को मण्डी परिषद एवं PWD, R.E.D. U.P.R.N.N., तथा UPPCL विभाग में पंजीकृत वित्तीय रूप से सुदृढ़ अनुभवी ठेकेदारो से निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई–निविदाओं की टेक्निकल बिड दिनाक 25.01.2025 को अपरान्ह 12.30 बजे अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में खोली जाऐगी। टेण्डर डाक्यूमेन्ट www.etender.up.nic.in पर दिनाक 03.01 2025 से दिनांक 25.01.2025 की अपरान्ह 12.00 बजे तक उपलब्ध रहेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचन, नियम व शर्त एवं अन्य विवरण कार्यालय तथा सरकार की वेबसाइट www.etender. up.nic.in पर देखी पढ़ी व डाउनलोड की जा सकती है। कार्यों का विवरण निम्न प्रकार है–

क्र0 सं0	मण्डी समिति का नाम	कार्य का नाम	कार्य की लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (लाख रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य + जी0एस0टी0 (रू0 में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	निविदा की वैद्यता	निविदा की श्रेणी	मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेण जो निविदा में प्रतिभाग कर सकते है
1		3	4	5	6	7	8		9
जनपद बस्ती के अन्तर्गत									
33	बस्ती	न0सं0मार्ग विक्रमजोत टूटी मिठी मार्ग से मरवटिया तक का निर्माण कार्य 2024_RKUMP_988226_1	72.93	5.70	13000.00	04 माह	90	"स"	अ, ब, स,
34	बस्ती	न0सं0 मार्ग परसरामपुर–कुशमौर घाट रोड से नहर की पटी होते हुए नागपुर पुलिया तक का निर्माण कार्य। 2024_RKUMP_988360_1	62.45	5.15	11100.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
जनपद संतकबीरनगर के अन्तर्गत									
35	खलीलाबाद	न0सं0मार्ग चनगहिया चौराहे से सरफरा गांव होकर छठ घाट तक का निर्माण कार्य 2024_RKUMP_988384_1	65.04	5.30	11600.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
जनपद सिद्धार्थनगर के अन्तर्गत									
36	नौगढ़	न0सं0मार्ग महदेवा पटनी जंगल पी0डब्लू0डी0 के कबुलिहा चौराहे से हरैया तक का निर्माण कार्य। 2024_RKUMP_988397_1	50.11	4.55	8900.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
37	नौगढ़	न0सं0मार्ग सनई शोहरतगढ़ मार्ग से पिपरा पाण्डेय से पतसिया गांव तक 2024_RKUMP_988409_1	42.01	4.15	7500.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
38	नौगढ़	न0सं0मार्ग वि0ख0 वर्डपुर मे दलदला से महेदइया तक का निर्माण कार्य। 2024_RKUMP_988435_1	62.88	5.15	11200.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
39	बांसी	न0सं0मार्ग बांसी धानी मार्ग पर नरसिंहगढ़ी से महुई तक का निर्माण कार्य। 2024_RKUMP_988446_1	55.61	4.80	9900.00	04	90	"स"	अ, ब, स,
40	बांसी	न0सं0मार्ग कुनौना ग्राम से मथौरा तक का निर्माण कार्य। 2024_RKUMP_988450_1	60.67	5.05	10800.00	04	90	"स"	अ, ब, स,

नोटः–

1– धरोहर धनराशि का मूल्य उपनिदेशक (निर्माण) के स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की शाखा साऊघाट बस्ती के **खाता संख्या 30394488595** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** एवं निविदा का मूल्य **खाता संख्या 30394488415** आई0एफ0एस0 कोड संख्या **SBIN0011200** उप निदेशक (निर्माण) के नाम अलग–अलग आर0टी0जी0एस0 करना होगा, जिसका बैंक से सत्यापित यू0टी0आर0 नम्बर हार्ड कापी में उपलब्ध कराना होगा, एवं अपलोड भी करना अनिवार्य होगा।

2– मण्डी परिषद मुख्यालय के पत्रांकःमु०अभि०–2/ (1168/भाग–4/2005)/2022–1190 दिनांकः 17. 11.2022 द्वारा जारी आदेश / निर्देश के क्रम में 'द' श्रेणी को छोडकर 'अ', 'ब' एवं 'स' श्रेणी में पंजीकृत निविदाओं की पारदर्शिता एवं अधिक प्रतिस्तर्घात्मक दरें प्राप्त करने के उद्देश्य से पंजीकृत ठेकेदारों से Bid Capacity हेतु लोक निर्माण विभाग के standard Bidding Document (S.B.D) में Qualification of Bidders के section 4.6 में व्यवस्था दी गयी है जिसका विस्तृत विवरण मुख्य नियम शर्ते के बिन्दु संख्या 11 में अंकित है। Bid capacity की गणना प्रपत्र व सी०ए० द्वारा प्रमाणित वॉछित टर्न ओवर एवं बैलेन्स शीट Bidding Document के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।

3– उक्त निविदा तालिका में अंकित पंजीकरण श्रेणी के अतिरिक्त उच्च श्रेणी के मण्डी परिषद में पंजीकृत ठेकेदार/फर्म भी प्रतिभाग कर सकती है।

4– उपरोक्त तालिका में अंकित 'ब' श्रेणी से सम्बन्धित कार्यों हेतु PWD, R.E.D, U.P.R.N.N तथा UPPCL विभाग में सामान्य श्रेणी अर्थात 'ब' श्रेणी के पंजीकृत फर्म/ठेकेदार ही निविदा प्रकिया में प्रतिभाग कर सकते है।

उप निदेशक (निर्माण)

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–
चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय–
आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय–
इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेल **bhartiyabasti@yahoo.com**
bhartiyabasti@gmail.com